www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 199 || लखनऊ
मंगलवार
20 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:08
सूर्यास्तः 05:34
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 18°00



पेज 07

विशेष समाचार
आस्था के सैलाब में कब... >>पेज 04
दशहरे पर मुरादाबाद में ट्रैफिक ... >>पेज 06
69 साल के हुए सनी...

मणिपुर में चौबीस घंटे में 4 लोगों की हत्या

मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी



घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में चौबीस घंटे में हिंसा की दो घटनाओं में 4 लोगों की हत्या कर दी गई। रविवार रात दो थौबल जिले में दो समुदायों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। सोमवार को जंगल से लकड़ी लेने गए तीन लोगों की उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। दूसरी घटना इम्फाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर हुई। अधिकारियों के मुताबिक, गोलीबारी में चार लोग घायल हुए हैं और तीन लोग अब भी लापता हैं। गुस्साए स्थानीय लोग शवों को राज्य की राजधानी इम्फाल ले आए। उन्होंने बाबूपारा स्थित मुख्यमंत्री आवास के मुख्य गेट के बाहर शव रख दिए।

>> (शेष पेज 06 पर)



गुस्साए लोग शवों को सीएम हाउस के बाहर छोड़ गए। इसके बाद पुलिस ने शवों को अस्पताल पहुंचाया।

फरवरी से अक्टूबर तक हिंसा की प्रमुख घटनाएं

- **7–11 फरवरी :** उखरुल जिले के लितान इलाके में दो तांगखुल नगा और दो कुकी युवकों के बीच झगड़े के बाद तनाव बढ़ा। एक कुकी परिवार के खाली घर में आग लगाई गई। बाद में पत्थरबाजी, गोलीबारी और आगजनी हुई। प्रशासन ने कर्फ्यू और इंटरनेट प्रतिबंध लगाए।
- **24–25 अप्रैल :** उखरुल के सिनाकीथेल और मुल्लम गांवों के पास दो गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई। मृतकों में तांगखुल नगा समुदाय का एक व्यक्ति भी शामिल था।



मुख्यमंत्री आवास के बाहर हंगामा करते लोग।

- **7–8 मई :** उखरुल और कामजोंग जिलों में गोलीबारी और आगजनी हुई। कम से कम छह लोग घायल हुए। भारत-म्यांमार सीमा के पास तांगखुल नगा समुदाय के तीन गांवों में 15 तक घरों पर हमले और आगजनी की सूचना मिली।
- **अगस्त :** ह्यूमन राइट्स वॉच के मुताबिक, नगा और कुकी-जो समुदायों के बीच हिंसा में कम से कम सात लोग मारे गए। सितंबर की शुरुआत तक इस संघर्ष में मरने वालों की संख्या 34 बताई गई थी।

सितंबर : महीने के अंत तक रिपोर्टों में नगा-कुकी संघर्ष में 50 से अधिक मौतों का उल्लेख किया गया। हिंसा के कारण दोनों समुदायों के बीच तनाव और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ीं।

- **17 अक्टूबर :** कामजोंग जिले के चसाद गांव में शनिवार को कुकी और नगा समुदायों के हथियारबंद समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए।

लकड़ी लेने पहाड़ियों पर गए थे

घटना कांगपोकपी के खोंगबाल सुनुरोक उयोक में हुई। यह इम्फाल ईस्ट के नोंगशुम गांव से कुछ मीटर की दूरी पर है। सोमवार सुबह करीब 7 बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों पर गए थे। मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिल (35) और लैरेनलकपम इनाओबी (51), क्षेत्रिमायुम सुशील(32) के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, वे लकड़ी लेने गए समूह में शामिल थे। इसी दौरान संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। घटना में घायल लोगों में क्ष देवन की हालत गंभीर है।

रविवार रात थौबल जिले में दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी

थौबल जिले में रविवार रात दो समुदायों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे। पुलिस के मुताबिक, लाइशराम राकेश की गोली लगने से मौत हुई। पत्थरबाजी के दौरान कुछ घरों और वाहनों में आग लगा दी गई। तनाव के बाद प्रशासन ने खंगाबोक और संगाईयुम्फम में लोगों के घरों से निकलने पर रोक लगा दी। अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

विधायक ने की सिनाई कैंप हटाने की मांग

हमले के बाद विधायक थोकचोम लोकेश्वर सिंह ने प्रशासन से घटनास्थल के पास स्थित सिनाई कैंप को हटाने की मांग की। उन्होंने इस कैंप को सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (SoO) समझौते के तहत संचालित कैंप बताया। विधायक के अनुसार, असम राइफल्स के जवानों ने लकड़ी इकट्ठा करने गए लोगों को सुरक्षा देने का आश्वासन दिया था।

मॉडल श्रद्धा दुबे के घर रायबरेली पहुंची पुलिस

सौतेली मां और पिता से पूछताछ, 3 अफसर हटाए गए

लापरवाही

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/रायबरेली। लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या के 10 दिन बाद भी मुख्य आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे का पुलिस पता नहीं लगा सकी है। सोमवार को पुलिस की एक टीम मॉडल श्रद्धा के रायबरेली स्थित घर पहुंची। आधे घंटे तक श्रद्धा के पिता एसपी दुबे और सौतेली मां से पूछताछ की। उधर, पुलिस से आंखमिचौली के बीच श्रद्धा ने रविवार को एक न्यूज एजेंसी को इंटरव्यू दिया। श्रद्धा का इंटरव्यू सामने आने के बाद 3 पुलिस अफसरों पर कार्रवाई की गई।



रविवार देर रात हजरतगंज थाने के कोतवाल विक्रम सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया। डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर को हटाकर पुलिस हेड ऑफिस अटैच कर दिया गया। उनकी जगह डीसीपी ट्रैफिक अर्पित विजयवर्गीय को भेजा गया। सोमवार को एसीपी हजरतगंज रजनीश वर्मा को भी हटाकर क्राइम ब्रांच भेज दिया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

आशुतोष-सौरव की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाई गई

14 अक्टूबर से तिहाड़ जेल में बंद, सीजेपी का रिहाई में जानबूझकर देरी का आरोप

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ा दी गई है। सोमवार को दोनो के मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश किया गया था। पुलिस ने दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसे मजिस्ट्रेट ने मंजूर कर लिया। अब उन्हें बुधवार को फिर से पेश किया जाएगा। दोनों 14 अक्टूबर से तिहाड़ जेल में बंद हैं। आरोप है कि उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबंधों



का उल्लंघन किया था। वहीं, CJP ने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं की रिहाई में जानबूझकर देरी की जा रही है। CJP की लीगल हेड रत्ना सिंह के मुताबिक, रविवार को जमानत पर सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट और सरकारी वकील दोपहर 12 बजे से इंतजार के बाद शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे। पार्टी का आरोप है कि दोनों नेताओं की रिहाई पर सुनवाई करने के बजाय मजिस्ट्रेट को मिले धमकी भरे संदेश पर चर्चा की गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

दिल्ली में मेट्रो स्टेशन में घुसा संदिग्ध

नई दिल्ली। दिल्ली के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर संदिग्ध बैग लेकर भागने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को CISF जवानों ने तुरंत पकड़ लिया। घटना CCTV में कैद हुई है। CCTV फुटेज में दिख रहा है कि व्यक्ति मेट्रो स्टेशन के सिक्योरिटी चेकिंग एरिया में पहुंचकर अपना बैग एक्स-रे स्कैनिंग के लिए रखता है।

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के मास्टरमाइंड का बाप जेल में

जयपुर। मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने वाले हमलावरों को लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने भेजा था। घटना के बाद अनिल पंडित ने सोशल मीडिया पर इसकी जिम्मेदारी भी ली। साथ ही सलमान खान को भी जान से मारने की धमकी दी। अब तक की पुलिस जांच में भी खुलासा हुआ है कि अनिल पंडित ने विदेश में बैठकर टाइगर श्रॉफ पर हमले की साजिश रची। इधर, तीनों शूटर्स को सोमवार को राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से पुणे-जयपुर एक्सप्रेस के जनरल कोच से हिरासत में लिया गया। तीनों में एक नाबालिग भी है।

अवकाश की सूचना

20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को दशहरा के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, समाचार पत्र वितरक बंधुओं एवं समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को दशहरा के उपलक्ष्य में 'तमसा संकेत' कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक 22 अक्टूबर 2026, गुरूवार को प्रकाशित होगा।

— संपादक

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस : एक दोषी की फांसी पर रोक

18 साल पहले 70 मिनट में हुए थे 21 धमाके, 56 लोगों की हुई थी मौत

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी



अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के मामले में दोषी मोहम्मद तनवीर की फांसी की सजा पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने तनवीर की याचिका पर सुनवाई की। तनवीर ने गुजरात हाईकोर्ट के 7 जुलाई के फैसले को चुनौती दी थी। गुजरात हाईकोर्ट ने 7 जुलाई, 2026 को सुनाए अपने फैसले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के 38 दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखी थी। 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद के अलग-अलग इलाकों में करीब 70 मिनट के भीतर 21 बम धमाके हुए थे। इन हमलों में 56 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने 7 जुलाई, 2026 को स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। विशेष अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

31 हफ्ते की गर्भवती, कानून में 24 हफ्ते तक छूट, दिल्ली एचसी बोला- वो परवरिश कैसे करेगी

नाबालिग रेप विक्टिम को अबॉर्शन की परमिशन

अनुमति

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 31 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा कि एक नाबालिग से बच्चे को जन्म देने और उसकी परवरिश की जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद करना उचित नहीं होगा। कोर्ट के अनुसार, यौन हिंसा की शिकार नाबालिग को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके सम्मानजनक जीवन और अधिकारों को प्रभावित कर सकता है। अदालत ने इस मामले को केवल महिला के प्रजनन अधिकारों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार से भी जुड़ा विषय बताया। पीड़िता पहले से लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती है। अदालत ने गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति देते हुए चिकित्सा सहायता, भ्रूण के टिश्यू सुरक्षित रखने और पीड़िता की पहचान गोपनीय बनाए रखने समेत कई निर्देश दिए हैं।



अदालत ने कहा कि दुष्कर्म की शिकार नाबालिग को गर्भावस्था जारी रखने के लिए बाध्य करना उसके सम्मान और गरिमा के साथ जीवन जीने के अधिकार पर असर डाल सकता है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि इतनी कम उम्र में पीड़िता से बच्चे को जन्म देने और उसकी परवरिश की जिम्मेदारी उठाने की अपेक्षा करना उचित नहीं होगा।

कोर्ट के तीन प्रमुख निर्देश

1. भ्रूण के टिश्यू सुरक्षित रखने का आदेश

अदालत ने डॉक्टरों को भ्रूण के टिश्यू सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है, ताकि आपराधिक मामले की जांच के दौरान जरूरत पड़ने पर डीएनए परीक्षण में उनका इस्तेमाल किया जा सके। इस निर्देश का उद्देश्य मामले से जुड़े संभावित साक्ष्यों को सुरक्षित रखना है।

2. बच्चा जीवित पैदा होने पर तत्काल इलाज

कोर्ट ने निर्देश दिया कि गर्भसमापन की प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चा जीवित पैदा होता है, तो अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट उसकी हरसंभव चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करेंगे। अदालत ने उपचार का पूरा खर्च राज्य सरकार को उठाने का निर्देश भी दिया है।

31 सप्ताह की गर्भावस्था में जन्म लेने वाले शिशु को समय से पहले जन्म लेने के कारण विशेष चिकित्सा देखभाल की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में अस्पताल को संभावित स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं।

3. परिवार की इच्छा पर गोद देने का विकल्प

अदालत ने कहा कि यदि नाबालिग और उसका परिवार ऐसा चाहते हैं, तो बच्चे को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत गोद दिया जा सकता है। इसके साथ ही कोर्ट ने पीड़िता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखने का निर्देश दिया है, ताकि उसकी निजता और गरिमा की रक्षा हो सके।

>> (शेष पेज 06 पर)

विवाद : तुलना गलत, हमारा सरकार गिराना टारगेट नहीं, रिजिजू बोले थे- विपक्ष साजिश रच रहा

भारत न बांग्लादेश, न ही फ्रांस : थरूर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के सत्ता परिवर्तन कराने के आरोपों का जवाब दिया। थरूर ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत बांग्लादेश नहीं है और भारत फ्रांस भी नहीं है। मुझे ये तुलना खास तौर पर प्रासंगिक नहीं लगती। हम फ्रांस में हुई बसों और पुलिस स्टेशनों को आग लगाने जैसी किसी भी हिंसा को कभी सही नहीं ठहराएंगे। हम केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शन में विश्वास करते हैं। मैंने भी इसी तरह के प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है और मेरा मानना है कि विपक्ष भी सामान्य तौर पर इसी का समर्थन करता है। जहां तक बड़े मुद्दों की बात है, 'रिजीम चेंज' जैसे



शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का कोई मतलब नहीं है। इसका किसी सरकार को गिराने या सत्ता परिवर्तन की कोशिश से कोई संबंध नहीं है। दरअसल एक दिन पहले रिजिजू ने विपक्ष पर आरोप लगाया था कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

18 अक्टूबर : रिजिजू ने राहुल और नेहा बोरा का वीडियो शेयर किया था

रिजिजू ने X पर पोस्ट के अलावा एक वीडियो भी शेयर किया। जिसमें राहुल गांधी और नेहा बोरा को दिखाया गया है। दरअसल 14 अक्टूबर पहले नेहा बोरा का बांग्लादेश में हुए हिंसक प्रदर्शन के समर्थन वाला वीडियो सामने आया था।

नेहा बोरा नीट पेपर लीक से एसआइ-ईआर विरोध तक प्रदर्शनों में सक्रिय रहीं

इस साल जुलाई में नेहा बोरा NEET पेपर लीक के मुद्दे पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शनों के दौरान चर्चा में आईं। इन प्रदर्शनों में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की गई थी। वह दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के साथ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में भी शामिल हुईं।

थरूर बोले- हमारी सिर्फ एसआइ-ईआर प्रोसेस को वापस लेने की मांग

आज चिंता की बात यह है कि बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से एक बेहद परेशान करने वाली, अनियमित और आंशिक रूप से अवैध प्रक्रिया के कारण हटाए गए हैं। इसलिए हम इस पूरी प्रक्रिया को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। यह संवैधानिक मुद्दा है। इसका किसी सरकार को गिराने या सत्ता परिवर्तन की कोशिश से कोई संबंध नहीं है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को आरोप लगाया कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। कुछ नेताओं ने युवाओं को भड़काने और सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की।

थरूर ने कहा कि लोकतंत्र किसी की ओर से दिया गया उपहार नहीं है। हम भारत के आम नागरिक इसके संरक्षक हैं। हर भारतीय नागरिक को अपने लोकतंत्र की रक्षा करने का अधिकार है।

शिवा शर्मा हत्याकांड में 'संजय सर' के पहचान की मांग

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अब आजाद अधिकार सेना ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मामले से जुड़ी आरोपित श्रद्धा दुबे के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से कथित संपर्कों और विवेचना में संभावित हस्तक्षेप की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। कहा है कि श्रद्धा को संरक्षण दिया जा रहा है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि इस मामले को लेकर विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस तंत्र से संपर्कों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा, एक वायरल



ऑडियो में बार-बार 'संजय सर' का नाम सामने आने से कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, जिन्हें लेकर सोशल मीडिया और मेनस्ट्रीम मीडिया में भी चर्चाएं जारी हैं। लिखे गए पत्र में कहा गया कि आरोपी श्रद्धा दुबे की ओर से मीडिया को इंटरव्यू देना, उसका कथित तौर पर फरार होना और पुलिस की कार्रवाई से जुड़े विभिन्न घटनाक्रमों से यह आशंका गहरी होती है कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति या समूह की ओर से उसे अनुचित संरक्षण दिया जा रहा है।

दीपावली से पहले मिलेगा बोनस, डीए भी बढ़ेगा, सैलरी में महंगाई भत्ता भी बढ़कर मिलेगा

यूपी के 12 लाख से ज्यादा कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले

राहत

हेमन्त कृष्ण



> बोनस का लाभ आरजपत्रित कर्मचारियों को दिया जाता है। बोनस की रकम वेतन के साथ नहीं आती है, बल्कि यह अलग से खातों में भेजी जाती है।

तमसा संकेत, लखनऊ। यूपी के 12 लाख से ज्यादा राज्य कर्मियों को राहत मिलने वाली है। योगी सरकार दीपावली से पहले इन कर्मचारियों को बोनस देने जा रही है। इसके अलावा महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत भत्ता (डीआरए) भी नवंबर में मिलने वाले वेतन के साथ ही आने की भी उम्मीद है। महानवमी और दशहरा की छुट्टियों के बाद इस संबंध में आदेश जारी हो सकते हैं।

वित्त विभाग कर्मचारियों को बोनस और डीए-डीआरए देने की तैयारी कर रहा है। प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। रेलवे मंत्रालय की घोषणा के बाद अब राज्य कर्मचारियों को भी उम्मीद है कि प्रक्रिया में तेजी आएगी। सूत्र बताते हैं कि बोनस की रकम 3400 से 7000 रुपये के बीच होगी।

आउटसोर्स कर्मियों को भी बढ़े वेतन का आदेश जल्द

आउटसोर्स कर्मचारियों को बढ़ी हुई तनख्वाह नवंबर में मिलने वाले वेतन में मिलेगी। यह वेतन अक्तूबर माह के लिए उन्हें दिया जाएगा। आउटसोर्स निगम इस संबंध में छुट्टियां खत्म होने के बाद ही औपचारिक आदेश जल्द जारी करेगा। तकरीबन चार लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा।



नवंबर में आएगी सैलरी

कर्मचारी मान रहे हैं कि बोनस के साथ ही डीए व डीआरए के भी आदेश होंगे। डीए व डीआरए तीन प्रतिशत मिलने की उम्मीद है। सूत्र बताते हैं कि अगर आदेश 25 अक्तूबर से पहले हो जाएंगे तो अक्तूबर की तनख्वाह व पेंशन जो नवंबर में मिलेगी, उसमें यह डीए-डीआरए की राशि बढ़कर आएगी। डीए व डीआरए संबंधी आदेश का इंतजार 12 लाख से ज्यादा कर्मचारी और 6 लाख से ज्यादा पेंशनर कर रहे हैं। यूपी के हजारों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के पुराने मेडिकल बिलों के भुगतान की समयसीमा शासन ने तय कर दी है। दीपावली से पहले इनके अटके हुए चिकित्सा दावे 31 अक्तूबर तक निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जो भी दावे 30 सितंबर तक सभी मेडिकल बिलों सहित संबंधित विभागों में जमा किए जा चुके हैं। इसी माह 31 अक्तूबर तक परीक्षण के बाद उनका भुगतान हो जाएगा।

हजरतगंज में बंदर के बच्चे को जिंदा जलाया

तमसा संकेत, एजेंसी



पालतू बच्चे को घर से उठाया, एनजीओ ने थाने में दी तहरीर

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज थाना क्षेत्र में बंदर के एक बच्चे को कथित तौर पर जिंदा जलाकर मारने का मामला सामने आया है। मामले में पशु कल्याण संस्था Aasra The Helping Hands Trust ने हजरतगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। संस्था के मुताबिक, घटना में शामिल बताया जा रहा युवक फरार है।

संस्था ने पुलिस से आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी करने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित कर जांचने के साथ प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज करने की मांग भी की गई है। संस्था ने शिकायत में पशु क्रूरता निवारण कानून, वन्यजीव संरक्षण से जुड़े प्रावधानों और अन्य संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। साथ ही वन विभाग से मामले में हस्तक्षेप कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। संस्था ने पुलिस प्रशासन से मामले में की गई कार्रवाई और वर्तमान स्थिति की जानकारी देने का भी अनुरोध किया है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुलिस की ओर से पुष्टि और मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

नवरात्रि के शानदार जश्न के बीच 'ओमैक्स द रिज़ॉर्ट' ने अपना सैंपल फ़्लैट पेश किया

तमसा संकेत, संवाददाता

> इन प्रस्तुतियों ने लोक संस्कृति और आधुनिक जश्न का एक बेहतरीन संगम पेश किया, जिससे परिवारों और मेहमानों को नवरात्रि मनाने का एक शानदार अनुभव मिला।



लखनऊ । 16 अक्टूबर 2026 को लखनऊ के गोमती नगर एक्सटेंशन, सेक्टर 7 में 'ओमैक्स द रिज़ॉर्ट' ने नवरात्रि के मौके पर एक शानदार 'डांडिया नाइट' का आयोजन किया और साथ ही अपने सैंपल फ़्लैट को भी पेश किया। इस कार्यक्रम में लगभग 500 मेहमान शामिल हुए, जहाँ उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लाइव मनोरंजन का आनंद लिया। साथ ही, संभावित खरीदारों को यहाँ के रहने की जगहों (लिविंग स्पेस) को करीब से देखने का मौका मिला। उत्सव की शुरुआत करते हुए, गुजरात के कलाकारों ने पारंपरिक गरबा पेश किया, जिससे कार्यक्रम में एक सांस्कृतिक रंग घुल गया। इसके अलावा, बॉलीवुड डांस ग्रुप्स ने अपनी ऊर्जावान कोरियोग्राफी से दर्शकों का मन मोह लिया, और लाइव बैंड ने आधुनिक संगीत के साथ कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। इसके साथ ही, सैंपल फ़्लैट के अनावरण ने संभावित खरीदारों को घरों के इंटीरियर को करीब से देखने का अवसर दिया। यहाँ आए लोग लेआउट देख सकते थे और भविष्य में यहाँ रहने की संभावनाओं की कल्पना कर सकते थे, जिससे उन्हें प्रॉपर्टी के डिज़ाइन के बारे में सीधे जानकारी मिली। इस तरह, इस आयोजन ने उत्सव के माहौल को एक नया घर खोजने की व्यावहारिक ज़रूरत के साथ जोड़ दिया। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, ओमैक्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर मोहित गोयल ने कहा, त्योहार साझा परंपराओं के ज़रिए लोगों को करीब लाते हैं और आपसी रिश्तों को मज़बूत करने का मौका देते हैं। ओमैक्स में, हमारा मानना है कि एक घर उन अनुभवों और रिश्तों से गहराई से जुड़ा होता है जो हमारे रोज़मर्रा के जीवन को आकार देते हैं। डांडिया उत्सव और सैंपल फ़्लैट के अनावरण को एक साथ लाकर, हमने एक ऐसा मौक़ा बनाने की कोशिश की, जहाँ मेहमान सांस्कृतिक जश्न का आनंद भी ले सकें और हमारे लिविंग स्पेस को भी देख सकें।

पहले से बनी सीमेंटेड गली पर इंटरलॉकिंग कराने की तैयारी से स्थानीय लोगों में नाराज़गी

नगर पालिका परिषद गंजडुंडवारा के कार्यों पर उठे गंभीर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता



> स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास कार्यों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना होना चाहिए, न कि केवल निर्माण कार्यों की संख्या बढ़ाना। यदि किसी सड़क या गली की स्थिति संतोषजनक नहीं है, कोई समस्या है, तो उसका समाधान स्पष्ट योजना और तकनीकी मानकों के अनुसार किया जाना चाहिए।

गंजडुंडवारा, कासगंज। नगर पालिका परिषद गंजडुंडवारा की कार्यप्रणाली को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष बढ़ता दिखाई दे रहा है। कस्बे के मोहल्ला पूरब थोक, पटियाली रोड पर चेयरमैन हाजी मुनव्वर हुसैन की कोठी के पास स्थित नाले वाली गली में प्रस्तावित निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि जब संबंधित गली पहले से सीमेंटेड बनी हुई है, जिसमे जगह जगह गड्ढे हो गए हैं, नगर पालिका द्वारा पहले से निर्मित सीमेंटेड गली पर इंटरलॉकिंग कराने की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर क्षेत्र के लोगों में नाराज़गी है। उनका कहना है कि गली पहले से सीमेंटेड है तो पुनः निर्माण कार्य भी सीमेंटेड ही होना चाहिए। इन सवालों का जवाब संबंधित अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से देना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की शंका या भ्रम की स्थिति न बने।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि ये मामला नगर पालिका के अधिकारियों के संज्ञान में पहले ही ला दिया गया था, लेकिन अब तक उनकी शिकायतों का संतोषजनक समाधान नहीं हुआ है। लोगों का कहना है कि शिकायत करने के बावजूद उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही कि संबंधित गली पर इंटरलॉकिंग कराने का निर्णय किस आधार पर लिया गया है ? यदि किसी निर्माण कार्य को लेकर क्षेत्र की जनता आपत्ति जता रही है, तो नगर पालिका प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह उनकी बात सुने, स्थल का निरीक्षण कराए और तथ्यों के आधार पर निर्णय ले।

लोगों की माँग है कि प्रस्तावित इंटरलॉकिंग कार्य से संबंधित प्रशासनिक स्वीकृति, तकनीकी स्वीकृति, अनुमानित लागत, टेंडर, कार्यादेश और निर्माण की आवश्यकता से जुड़े दस्तावेजों की जाँच की जाए। यह भी स्पष्ट किया जाए कि संबंधित गली की वर्तमान स्थिति का कोई तकनीकी सर्वेक्षण कराया गया है या नहीं। नगर पालिका प्रशासन से अपेक्षा की जाती है कि वह सभी वार्डों में नागरिक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करे और आवश्यकतानुसार प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराए। जिन क्षेत्रों में सड़कें खराब हैं, नालियाँ अवरुद्ध हैं या स्ट्रीट लाइटें काम नहीं कर रही हैं, वहाँ समय रहते कार्रवाई की जानी चाहिए।



पूरब थोक की यह गली केवल एक उदाहरण

पूरब थोक की यह गली केवल एक उदाहरण है। कस्बे में सड़क निर्माण और मरम्मत, नालियों की सफाई, नियमित स्वच्छता व्यवस्था तथा रात के समय स्ट्रीट लाइट की उपलब्धता जैसे बुनियादी मुद्दों पर भी नागरिकों की अपेक्षाएँ हैं। लोगों का आरोप है कि इन सुविधाओं को लेकर कई क्षेत्रों में असंतोष है और नगर पालिका को जनता की समस्याओं पर अधिक गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

मां चंद्रिका के भक्तों को पंखा कर रहे सेवादार

लखनऊ। लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र में स्थित मां चंद्रिका देवी धाम में महानवमी पर भक्तों की भीड़ उमड़ी है। आज हजारों भक्त लगातार सुबह से दर्शन कर रहे हैं। भक्तों की 4 लंबी कतारें लगी हैं। भक्तों को गर्मी न लगे, इसके लिए सेवादार हाथ से पंखा कर रहे हैं। मंदिर परिसर में अखंड यज्ञ चल रहा है। मंदिर के पीछे की तरफ गोमती नदी के पास बाढ़ राहत दल की तैनाती है। मेडिकल कैंप भी लगाया गया है। अगर किसी भक्त को कोई समस्या होती है तो वह सीधे मेडिकल कैंप में जाकर अपने स्वास्थ्य की जांच करवा रहा है। कुछ जरूरी दवाएं भी ली जा सकती हैं। चंद्रिका धाम से दर्शन कर लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो का अचानक टायर फट गया। वह बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में एक की महिला की मौत जबकि तीन श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। चंद्रिका देवी मंदिर परिसर में लक्ष्मीकांत वाजपेयी की दुकान है। उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण दुकानदारी पर बहुत प्रभाव पड़ा है।

210 और अवैध चैंबरों पर 25 को चलेगा बुलडोजर

हाईकोर्ट ने वकीलों की अपील खारिज की

तमसा संकेत, एजेंसी

> हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन किया जाएगा। इसमें पुलिस का भी सहयोग लिया जाएगा। कार्रवाई से पहले आपत्तियों की सुनवाई कर उनका निस्तारण कर दिया गया है। अब रविवार को अभियान चलाया जाएगा।



लखनऊ। कैसरबाग स्थित जिला कचहरी के आसपास बने करीब 210 और अवैध चैंबरों पर रविवार को बुलडोजर चलेगा। हाईकोर्ट ने वकीलों की अपील खारिज कर दी है। इससे पहले मई से अगस्त के बीच दो बार में 72 अवैध चैंबर तोड़े जा चुके हैं। प्रस्तावित अभियान 11 अक्तूबर को होना था लेकिन आपत्तियों के निस्तारण और कोर्ट में अपील लंबित होने के कारण इसे टाल दिया गया था। अब 25 अक्तूबर को कार्रवाई की तैयारी है।

करीब साल भर पहले हाईकोर्ट में चल रही जनहित याचिका के तहत नगर निगम ने कैसरबाग में पुराना हाईकोर्ट परिसर, जिला सत्र न्यायालय, निबंधन कार्यालय और जिलाधिकारी कार्यालय के सामने व पीछे की सड़कों पर बने अवैध चैंबरों का सर्वे किया था। उस समय करीब 240 चैंबर चिह्नित किए गए थे। अब तक इनमें से 72 ही तोड़े गए हैं। इनमें से भी कई चैंबर दोबारा बना लिए गए हैं। 30 अगस्त को हुई कार्रवाई के दौरान नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम की कार्रवाई उन 72 चैंबरों तक सीमित रहने का मुद्दा उठाया गया था, जिनका मामला कोर्ट तक पहुंचा था। सिविल कोर्ट से बलरामपुर अस्पताल होते हुए रेजीडेंसी की ओर जाने वाली सड़क पर बने अन्य चैंबरों पर कार्रवाई नहीं हुई थी। बीते माह हाईकोर्ट ने बचे हुए अवैध चैंबरों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें हटाने का आदेश दिया था। नगर निगम के जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के तहत कचहरी परिसर के बाहर नाले, नालियों, फुटपाथ और सड़क पर बने सभी अवैध निर्माण हटाए जाएंगे। संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उनकी आपत्तियों की सुनवाई कर निस्तारण भी कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने भी अपील खारिज कर दी है। ऐसे में अब सभी अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आईपीएस अर्पित विजयवर्गीय को मिली लखनऊ की कमान

श्रद्धा दुबे हत्याकांड के बाद डीसीपी विक्रांत वीर की जगह मिली तैनाती

तैनाती

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । पुलिस कमिश्नरेट में बदलाव के तहत IPS अधिकारी अर्पित विजयवर्गीय को DCP सेंट्रल (मध्य) की जिम्मेदारी सौंपी गई है. इससे पहले वह DCP यातायात के पद पर तैनात थे. उन्हें अभिसूचना एवं सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है. अर्पित विजयवर्गीय ने नई जिम्मेदारी संभाल ली है. वह 2017 बैच के IPS अधिकारी हैं. श्रद्धा दुबे की फरारी के मामले के बाद DCP सेंट्रल विक्रांत वीर को पद से हटाया गया था. इसके बाद उनकी जगह अर्पित विजयवर्गीय को DCP सेंट्रल नियुक्त किया गया है. इस बदलाव के साथ लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में अधिकारियों की जिम्मेदारियों में फेरबदल हुआ है.

अर्पित विजयवर्गीय इससे पहले बाराबंकी में SP के पद पर तैनात रह चुके हैं. अब उन्हें लखनऊ में DCP सेंट्रल की जिम्मेदारी दी गई है. इसके अलावा अभिसूचना एवं सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है. नई जिम्मेदारी के साथ उनके सामने मध्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस प्रशासन से जुड़े कार्यों को संभालने की जिम्मेदारी होगी।

व्यय : माननीयों की यात्रा में खर्च हुए 2.29 करोड़, कुल आठ श्रेणियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलती है

मुफ्त सफर की वजह से रोडवेज पर बढ़ा 44 करोड़ का अधिभार

तमसा संकेत, संवाददाता

> मुफ्त यात्रा के कुल खर्च में 96 प्रतिशत से अधिक हिस्सा दिव्यांगजनों और उनके सहयोगियों का रहा। वर्ष 2024-25 में दिव्यांगजनों ने 42.59 करोड़ की 32.12 लाख यात्राएं कीं। वर्ष 2023-24 में यह राशि 40.57 करोड़ और 2022-23 में 32.20 करोड़ थी। खास बात यह है कि 2022-23 में यात्राओं की संख्या 33.31 लाख थी, जो 2024-25 में घटकर 32.12 लाख रह गई, फिर भी खर्च में 10 करोड़ से अधिक का इजाफा हुआ।



लखनऊ । रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा का खर्च 31 प्रतिशत बढ़कर 44.24 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें माननीयों, दिव्यांगों की निःशुल्क यात्राएं शामिल हैं। इस खर्च में 96 प्रतिशत हिस्सेदारी दिव्यांगजनों की है। जबकि माननीयों की बस यात्राओं पर तीन वर्षों में 2.29 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम यानी रोडवेज बसों में कुल आठ श्रेणियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलती है। इसमें वर्तमान सांसद व विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व विधान परिषद सदस्य, दिव्यांगजन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लोकतंत्र सेनानी, मान्यताप्राप्त पत्रकार और राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर पुरस्कृत शिक्षक शामिल हैं। बीते तीन वित्तीय वर्षों में निःशुल्क यात्राओं का खर्च करीब 31 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2024-25 में 44.24 करोड़ पर पहुंच गया है। निगम के आंकड़ों के अनुसार यह खर्च वर्ष 2022-23 में 33.84 करोड़ और 2023-24 में 42.39 करोड़ था। रिकॉर्ड के मुताबिक 2024-25 में निगम के 44.24 करोड़ के दावे के मुकाबले शासन से 41.25 करोड़ की ही वसूली हो सकी, जिससे करीब 2.99 करोड़ का अंतर बना हुआ है। वर्ष 2023-24 में भी 42.39 करोड़ के दावे के सापेक्ष 40.86 करोड़ ही मिल सके थे।

1154 माननीयों की बस यात्राओं पर खर्च हुए 2.29 करोड़

वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधियों ने अपने सहयोगियों सहित तीन वर्षों में कुल 2.29 करोड़ का मुफ्त सफर किया। वर्ष 2024-25 में यह रियायत 77.12 लाख रही, जबकि 2023-24 में 81.97 लाख और 2022-23 में 70.28 लाख दर्ज की गई थी। निगम के पास यात्राओं की सटीक संख्या दर्ज नहीं है। अकेले वर्ष 2024-25 में प्रदेश के 111 वर्तमान सांसदों-विधायकों और 23 सहयोगियों ने 8.86 लाख की यात्रा की, जो 2023-24 में 8.95 लाख और 2022-23 में 7.42 लाख थी। वहीं 721 पूर्व विधायकों और 147 सहयोगियों ने 57.72 लाख तथा 131 पूर्व विधान परिषद सदस्यों व 21 सहयोगियों ने 10.54 लाख का सफर किया।

लखनऊ में डांडिया नाइट आयोजित

लखनऊ। ओमैक्स द रिसॉर्ट ने नवरात्रि के मौके पर लखनऊ में डांडिया नाइट का आयोजन किया। कार्यक्रम में करीब 500 लोग शामिल हुए। कल्चरल प्रस्तुतियों और लाइव मनोरंजन देखने का मौका मिला। कार्यक्रम की शुरुआत गुजरात से आए कलाकारों की पारंपरिक गरबा प्रस्तुतियों से हुई, जिन्होंने उत्सव में पारंपरिक रंग भर दिए। वहीं, बॉलीवुड डांस ग्रुप ने अपनी जोशीली प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। लाइव बैंड की प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम में संगीत का रंग जोड़ा। लोक संस्कृति और आधुनिक मनोरंजन के इस मेल ने परिवारों और मेहमानों को नवरात्रि मनाने का एक खास अवसर दिया। ओमैक्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर मोहित गोयल ने कहा, त्योहार लोगों को साझा परंपराओं के जरिए एक साथ लाते हैं और आपसी रिश्तों को मजबूत बनाने का अवसर देते हैं। हम संभावित खरीदारों के साथ सार्थक रिश्ते बनाने और उन्हें अपने भविष्य के घर की कल्पना करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लखनऊ में 68500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

डिप्टी सीएम का आवास घेरा, पुलिस टांगकर ले गई

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को 68500 सहायक शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया। नियुक्ति की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान वहां पहुंची पुलिस ने हिरासत में लेना शुरू कर दिया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान मैनपुरी से आए मनोज नाम के प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ गई। मनोज को साथियों ने एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। उसके बाद हालत ज्यादा खराब होने पर KGMU में ले जाकर भर्ती कराया। प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है जैसे नारे लगाए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाने का प्रयास किया। पुलिस ने सभी अभ्यर्थियों को टांगकर वहां से ले गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के ऊपर कपड़े फाड़ने अभद्रता के आरोप लगाए। प्रदर्शन करने आए तूफान सिंह ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है।

ऑटो में यात्री के 8 हजार रुपए चोरी

शोर मचाने पर युवक भागा, लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। क्वारसी थाना क्षेत्र में ऑटो रिक्शा में सफर कर रहे एक व्यक्ति के पर्स से कथित तौर पर आठ हजार रुपये चोरी करने का मामला सामने आया है। रुपये चोरी होने का पता चलने पर पीड़ित ने शोर मचाया, जिसके बाद आरोपी भागने लगा। हालांकि, आसपास मौजूद लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 500-500 रुपये के 16 नोट बरामद हुए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे सोमवार को जेल भेजे जाने की जानकारी दी गई है। पीड़ित भरत सिंह ने क्वारसी पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 18 अक्टूबर को दोपहर करीब



12:20 बजे वह अपने भाई तेजवीर सिंह के साथ ऑटो रिक्शा में सफर कर रहे थे। ऑटो फुलवारी गेस्ट हाउस से मामू भौंजा बाजार की ओर जा रहा था। भरत सिंह के मुताबिक, देवव्रत अस्पताल के पास उनके बराबर में बैठे एक युवक ने कथित तौर पर उनके पर्स से आठ हजार रुपये निकाल लिए। उस समय उन्हें चोरी का तत्काल पता नहीं चला, लेकिन बैग में हलचल महसूस होने पर उन्होंने रुपये चेक किए।

शोर मचाने पर भागने लगा युवक

पर्स से रुपये गायब मिलने पर भरत सिंह ने शोर मचा दिया। इसके बाद ऑटो में मौजूद युवक भागने की कोशिश करने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उनकी मदद से युवक को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर युवक के पास से 500-500 रुपये के 16 नोट मिले। कुल रकम आठ हजार रुपये थी। पीड़ित ने बरामद रकम को अपने रुपये बताया। इसके बाद आरोपी को लेकर क्वारसी थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए युवक की पहचान उमरदराज (35), पुत्र खलील, निवासी देहली गेट क्षेत्र, अलीगढ़ के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की ओर से आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उसे सोमवार को जेल भेजा जाएगा। ऑटो में सफर के दौरान हुई इस घटना के बाद यात्रियों से अपने सामान और नकदी को लेकर सतर्क रहने की अपील की जा रही है।



तीन पीढ़ियों से रावण का पुतला बना रहा मुस्लिम परिवार

बाराबंकी में इमाम हुसैल बोले- तीन पीढ़ियों से यही काम रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। दशहरे पर रावण दहन की परंपरा के बीच बाराबंकी में हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी सद्भाव की मिसाल देखने को मिलती है। यहां एक मुस्लिम परिवार पिछले तीन पीढ़ियों से रावण के पुतले बनाने का काम कर रहा है। कारीगर इमाम हुसैन अपने बच्चों के साथ इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके बनाए रावण के पुतले राम जानकी मंदिर में होने वाले रावण दहन के लिए तैयार किए जाते हैं। परिवार का यह काम त्योहारों के जरिए प्रेम, भाईचारे और साझा संस्कृति का संदेश देता है। बाराबंकी के इमाम हुसैन का परिवार लंबे समय से रावण के पुतले बनाने का काम कर रहा है। तीन पीढ़ियों से चली आ रही इस परंपरा को अब इमाम हुसैन



अपने बच्चों के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। दशहरे से पहले परिवार पुतले बनाने की तैयारियों में जुट जाता है, ताकि निर्धारित समय पर उन्हें तैयार किया जा सके। यह काम केवल आजीविका का साधन ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही कारीगरी और परंपरा का हिस्सा भी है। परिवार के सदस्य मिलकर पुतले तैयार करते हैं और दशहरे के आयोजन के लिए उन्हें उपलब्ध कराते हैं। रावण का पुतला बनाने की प्रक्रिया में सबसे पहले फर्चियों की मदद से उसका ढांचा तैयार किया जाता है। इसके बाद ढांचे पर अलग-अलग रंगों की पन्नियां लगाई जाती हैं, जिससे पुतले को आकर्षक रूप दिया जा सके। आकार और सजावट का ध्यान रखते हुए कारीगर इसे तैयार करते हैं। इमाम हुसैन और उनके परिवार की मेहनत से तैयार होने वाले पुतले बाराबंकी के राम जानकी मंदिर में रावण दहन के काम आते हैं। इसके अलावा उनके बनाए पुतले उत्तर प्रदेश के कई अन्य शहरों में भी भेजे जाते हैं। इमाम हुसैन का कहना है कि सभी लोगों को एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होना चाहिए। त्योहार समाज में प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देते हैं। उनके मुताबिक, आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए जरूरी है कि लोग एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करें और मिल-जुलकर त्योहार मनाएं।

फास्ट न्यूज

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो की मौत

हरदोई। हरदोई के संडीला-मल्लावां मार्ग पर कटरा गौसगंज के पास रविवार देर रात एक हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने उनकी टीवीएस एक्सएल बाइक को टक्कर मार दी। दोनों युवक मल्लावां के परमि फुलई गांव में बोरिंग का काम खत्म कर घर लौट रहे थे। मृतकों की पहचान कासिमपुर थाना क्षेत्र के बेहसार गांव निवासी संगीत (कल्लू के बेटे) और अनुराग (अरविंद के बेटे) के रूप में हुई है।

गुम हुए चेक पर भर दिए 49 लाख रुपए

हरदोई। हरदोई के संडीला कोतवाली क्षेत्र के टिकरा दाऊदपुर गांव निवासी एक व्यक्ति के गुम हुए हस्ताक्षरयुक्त चेक का दुरुपयोग करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि चेक पर 49 लाख रुपए की रकम भरकर उसे बैंक में भुगतान के लिए लगाया गया। हालांकि, स्टॉप पेमेंट के निर्देश और खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण चेक बाउंस हो गया। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ नामजद शिकायत देकर निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित तौफीक पुत्र बुलाकी के अनुसार, उनके बैंक खाते की एक चेकबुक कहीं गुम हो गई थी।

भाजपा नेता का विपक्ष पर निशाना

बाराबंकी। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रामबाबू द्विवेदी ने बाराबंकी के रामनगर में विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने अखिलेश यादव सरकार पर गन्ना किसानों के भुगतान और एसआईआर (SIR) को लेकर धोखा देने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने योगी-मोदी सरकार की नीतियों का समर्थन किया। द्विवेदी ने कहा कि अखिलेश सरकार के समय गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रुपये बाकी था।

शारदीय नवरात्र की नवमी पर भक्तों ने कन्या पूजन किया

मंदिरों में मां का आशीर्वाद लिया, रामनवमी भी धूमधाम से मनी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद में महानवमी का त्योहार पूरे हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। सोमावार की सुबह शहर से लेकर कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक माता के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराया और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। दूसरी ओर बाजार में दही जलेबी खूब बिकी। लोगों ने दही, जलेबी और घरों में बनाई गई पूड़ी, सब्जी कन्याओं को खिलाकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। सोमवार तड़के से ही शहर के सीतापुर रोड स्थित प्रसिद्ध काली माता मंदिर, सर्कुलर रोड स्थित



राम-जानकी मंदिर समेत सभी देवी मंदिरों में भक्तों का तांता लग गया। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने माता रानी के दरबार में शीश झुकाकर विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिरों में घंटा-घड़ियाल की गूंज और जय माता दी के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। गौरतलब है कि नवरात्र की नवमी को रामनवमी के रूप में भी मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म अयोध्या में हुआ था। इसलिए इस दिन का विशेष महत्व है। भक्त एक तरफ जहां शक्ति स्वरूपा मां सिद्धिदात्री की पूजा करते हैं, वहीं दूसरी तरफ राम जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाते हैं। कई मंदिरों में रामचरितमानस का पाठ और भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ। त्योहार को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। सभी प्रमुख मंदिरों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई थी। कुल मिलाकर नवमी का पर्व जिले में शांतिपूर्ण और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ।

सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में मिला शव

जेब में मिली डायरी से हुई पहचान, साढ़ू के घर गया था युवक

- पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।
- सोमवार सुबह सारंगहार गांव के पास उन्नाव-संडीला मार्ग किनारे पानी से भरे गड्ढे में उसका शव पड़ा मिला।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव आसीवन थाना क्षेत्र के उन्नाव-संडीला मार्ग पर सोमवार सुबह सारंगहार गांव के पास सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में एक अधेड़ का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। शव देखकर राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़क जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाया। मृतक की जेब से मिली डायरी में दर्ज मोबाइल



नंबरों के जरिए उसकी पहचान की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान औरास थाना क्षेत्र के शरीफाबाद गांव निवासी राम नारायण उर्फ महेश (50) पुत्र स्व. बाबूलाल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राम नारायण रविवार शाम करीब साढ़े तीन बजे आसीवन थाना क्षेत्र के लच्छा खेड़ा गांव में अपने साढ़ू के घर गया था। वहां पहुंचने पर घर पर कोई नहीं मिला, जिसके बाद वह वापस लौट आया था। इसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। सोमवार सुबह सारंगहार गांव के पास उन्नाव-संडीला मार्ग किनारे पानी से भरे गड्ढे में उसका शव पड़ा मिला। राहगीरों और ग्रामीणों ने शव देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। तलाशी के



दौरान मृतक की जेब से एक डायरी मिली, जिसमें लिखे मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया गया। इसके बाद मृतक की पहचान हो सकी और परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। बताया गया कि राम नारायण की पत्नी की करीब 12 वर्ष पहले मौत हो चुकी है। उसके परिवार में दो बेटियां नीलम और शीलम तथा एक बेटा सोनू है। तीनों लखनऊ में रहकर पढ़ाई करते हैं। पिता की मौत की खबर मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधेड़ की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, पिता की मौत

रायबरेली में दो बेटे गंभीर रूप से घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में सोमवार देर रात डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। इस टक्कर में पिता की मौत हो गयी,वही दो बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए है। टक्कर के बाद बाइक डंपर में फंस गई और करीब 200 मीटर तक घसीटती चली गई। इस दौरान डंपर में आग भी लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने राहत कार्य किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। यह हादसा जिला मुख्यालय से 34 किलोमीटर दूर गदागंज थाना क्षेत्र में कानपुर-प्रया-गराज हाईवे पर बरारा बुजुर्ग चौराहे के पास हुआ है। त्यक्षदर्शियों के अनुसार, खोदायपुर गांव निवासी इंद्रपाल अपने दो बेटे शिवम और



सत्यम के साथ कानपुर में रहते थे। सोमवार को वह अपने बेटे शिवम के साथ कानपुर से ऊंचाहार वाया रायबरेली जाने वाली सुपरफास्ट पैसेंजर ट्रेन से बरारा बुजुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। उनका छोटा बेटा सत्यम उन्हें लेने के लिए स्टेशन आया था। इसके बाद सत्यम बाइक से अपने पिता इंद्रपाल और भाई शिवम को लेकर गांव की तरफ जा रहा था। इसी दौरान कानपुर-प्रया-गराज हाईवे पर पीछे से आ रहे डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी।

नृत्य-नाटिका से दुष्परिणाम बताए, होटलों में बाल श्रम न कराने की हिदायत

बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में मिशन शक्ति फेज-6 के तहत सोमवार को अचलगंज तिराहा स्थित पिंक बूथ के सामने पुलिस ने बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। सोल ऑफ डांस एकेडमी के बच्चों ने नृत्य-नाटिका के माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों का चित्रण कर लोगों को जागरूक किया। इसके बाद पुलिस टीम ने गदनखेड़ा बाईपास स्थित होटलों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर संचालकों को बच्चों से काम नहीं कराने की हिदायत दी। एसएसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में



आयोजित कार्यक्रम में सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी बीघापुर प्रदीप कुमार मौजूद रहे। सदर कोतवाली और महिला थाना की संयुक्त टीम ने लोगों को महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का संयोजन और निर्देशन डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने किया।

होटल संचालकों और प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बच्चों से श्रम न कराया जाए। बाल श्रम का मामला सामने आने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। संचालकों को बच्चों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील रहने और उन्हें शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के महत्व की जानकारी दी गई।

बच्चों के अधिकारों और सर्वांगीण विकास में बाधक

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों और सर्वांगीण विकास में बाधक है। इसे रोकने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जागरूकता कार्यक्रम के बाद एएसपी प्रदीप कुमार ने गदनखेड़ा बाईपास स्थित विभिन्न होटलों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।



अभियान के तहत पुलिस ने बाल श्रम रोकने के निर्देश दिए।

शिक्षा और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दें

कम उम्र में विवाह कराने के बजाय उनकी शिक्षा और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दें। उन्होंने लोगों से बाल विवाह और बाल श्रम की जानकारी पुलिस एवं प्रशासन को देने की अपील भी की। कार्यक्रम में प्रभारी निरीक्षक सदर चंद्रकांत मिश्रा, महिला थाना प्रभारी रेखा सिंह, डॉ. आशीष श्रीवास्तव सहित पुलिसकर्मी और सोल ऑफ डांस एकेडमी की प्रबंधक सामना तोलानी व महेंद्र प्रताप मौजूद रहे।

वारदात : तीन साल पहले हुई थी शादी, परिजनों का आरोप- डेढ़ साल से किया जा रहा था प्रताड़ित

विवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले के माखी थाना क्षेत्र के माखी गांव में रविवार देर रात एक 21 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान प्रति राठौर उर्फ काजल, पत्नी राज कुमार राठौर के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, सोमवार दोपहर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल वालों पर प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। परिजनों के मुताबिक, प्रति राठौर की शादी



करीब तीन साल पहले राज कुमार राठौर से हुई थी। बताया गया है कि राज कुमार आइसक्रीम बनाने की फैक्ट्री चलाता है। मायके पक्ष का दावा है कि राज कुमार की यह दूसरी शादी थी और उसकी पहली पत्नी उससे अलग हो चुकी थी। दंपती का एक बेटा आदित्य है। मृतका का मायका उन्नाव कोतवाली क्षेत्र के करोवन गांव में है। विवाहिता की मौत की खबर मिलते ही मायके पक्ष के लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। वहां परिजनों ने घटना को लेकर गंभीर आरोप लगाए और पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी नजरें

विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस जांच में जुटी है। घटना के पीछे की परिस्थितियों और परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी मौत के कारणों का पता लगाने में महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल, मायके पक्ष ने मामले में निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। पुलिस की जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होगी।



परिजनों के मुताबिक, उन्हें घटना की जानकारी रात करीब ढाई बजे मिली। सूचना मिलते ही परिवार के लोग परेशान हो गए और बाद में पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर न्याय की मांग की। हालांकि, घटना के संबंध में मायके पक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही चल सकेगा।

हरदोई के रेलवे गंज में पीएनजी पाइपलाइन फटी

गैस रिसाव से मचा हड़कंप, पुलिस ने रास्ते बंद कराए

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई शहर के प्रमुख और व्यस्त रेलवे गंज इलाके में प्रभु इलेक्ट्रॉनिक के पास सोमवार की सुबह 11:45 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की पाइपला-इन अचानक फट गई। तेज आवाज के साथ हुए गैस के रिसाव से आसपास के लोगों और दुकानदारों में दहशत फैल गई और लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे। यह हादसा उस समय हुआ जब विद्युत विभाग की ओर से इलाके में जेसीबी मशीन से खुदाई का काम कराया जा रहा था। इसी दौरान जमीन के नीचे से गुजर रही गैस पाइपलाइन जेसीबी के पंजे की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।



पाइपलाइन टूटते ही उसमें से तेजी से गैस बाहर निकलने लगी, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और दमकल (फायर ब्रिगेड) की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। किसी भी संभावित अग्निकांड या बड़ी दुर्घटना को रोकने के लिए दमकलकर्मियों ने मोर्चा संभाला, जबकि पुलिस बल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया। सुरक्षा के कड़े कदम उठाते हुए पुलिस ने जिंदपीर चौराहे से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया। आम जनता की आवाजाही पर रोक लगा दी गई और सुरक्षा के लिहाज से आसपास के क्षेत्र को खाली करा लिया गया। रास्ते बंद होने से इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हादसे की गंभीरता को देखते हुए एहतियातन क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई, ताकि गैस रिसाव के कारण किसी चिंगारी से कोई बड़ा हादसा न हो सके। इसके साथ ही संबंधित पीएनजी कंपनी के अधिकारियों और तकनीशियनों को सूचना दी गई, जो मरम्मत और रिसाव रोकने के लिए मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की प्राथमिकता स्थिति को पूरी तरह सामान्य करने पर टिकी है।

सम्पादकीय

संकट में यूरोप



अलग-अलग कारणों से विभिन्न यूरोपीय देशों में वहां की सरकारों के खिलाफ हो रहे धरना-प्रदर्शन जिस तरह अराजक होते जा रहे हैं, उससे समूचा यूरोप संकट से घिरता दिख रहा है। यह सामान्य बात नहीं कि फ्रांस, इटली, अल्बानिया, पुर्तगाल और बेल्जियम आदि में सड़कों पर उतर कर सरकारों के खिलाफ असंतोष जताने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। चिंताजनक यह है कि कहीं-कहीं असंतोष का यह प्रदर्शन हिंसा, आगजनी और लूटपाट में तब्दील हो जा रहा है। इस मामले में फ्रांस के कुछ शहरों में हो रही अराजकता किसी बड़े गंभीर संकट का सूचक जान पड़ती है।

प्रदर्शनकारी आगजनी और लूटपाट करने के साथ पुलिस-कर्मियों पर हमले भी कर रहे हैं। फ्रांस में धरना-प्रदर्शन स्कूलों में शिक्षकों और सुविधाओं की कमी को लेकर शुरू हुए थे। बाद में महंगाई और सामाजिक योजनाओं के व्यय में कटौती जैसे मुद्दे भी इसमें शामिल हो गए। फ्रांस के अलावा अन्य यूरोपीय देशों में कहीं सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर रहे हैं, कहीं बेरोजगारी के विरोध में तो कहीं बढ़ती महंगाई अथवा आवास की कमी के कारण।

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि लोगों के असंतोष को भुनाने और अराजकता का सहारा लेने वाले सक्रिय हो चुके हैं। अंदेशा इसका है कि आने वाले दिनों में यूरोप के अन्य देश भी अराजकता भरे प्रदर्शनों से दो-चार हो सकते हैं। यूरोप में अप्रवासियों के खिलाफ भी आक्रोश पनप रहा है। इसके नतीजे में कई यूरोपीय देशों में दक्षिणपंथी दलों का उभार हो रहा है। समस्या यह है कि अवैध अप्रवासियों का जो विरोध हो रहा है, उसकी चपेट में वैध अप्रवासी भी आ रहे हैं। अप्रवासियों के खिलाफ विरोध की लहर आस्ट्रेलिया और अमेरिका में भी देखी जा रही है। यूरोप और पश्चिम के अन्य देश जिन समस्याओं से घिरे हैं, उनके लिए वही अधिक जिम्मेदार हैं। ये देश हिंसक प्रदर्शनों को इसलिए नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि लोगों की जायज चिंताओं के बहाने अराजकता फैलाने वालों को कुछ ऐसी शक्तियां भड़काने में लगी हुई हैं, जो अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति करना चाहती हैं। इनमें इस्लामिस्टों और कम्युनिस्टों के गठजोड़ की भूमिका कहीं अधिक दिखाई दे रही है।

ऐसे गठजोड़ दुनिया के अन्य देशों में भी अस्थिरता और अराजकता का माहौल पैदा कर रहे हैं। कहीं-कहीं यह गठजोड़ आतंक की पैरवी करने वालों का भी साथ दे रहा है और लोगों के बीच वैचारिक खाई को चौड़ा करने का काम भी कर रहा है। ऐसे तत्वों से विश्व समुदाय को एकजुट होकर निपटने के लिए आगे आने की आवश्यकता है। यदि ऐसा नहीं होता तो यूरोप में आज जो अशांति का माहौल दिख रहा है, वह विश्व के अन्य देशों में भी देखने को मिल सकता है।

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?



66

कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदन-हीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे? किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी



गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है।

- ललित गर्ग

गुजरात में नवरात्र...

कुमार कृष्णन

दशहराः उत्सवधर्मिता और सांस्कृतिक एकता का पर्व



भारत उत्सवों का देश है। यहां त्योहार केवल धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक स्मृति, सामूहिकता और जीवन-दृष्टि के वाहक भी हैं। दशहरा अथवा विजयादशमी ऐसा ही पर्व है, जो विविध रूपों में मनाया जाता है, लेकिन जिसके मूल में बुराई पर अच्छाई, अन्याय पर न्याय और अहंकार पर विवेक की विजय का संदेश निहित है। भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को समझने के लिए दशहरा एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसके आयोजन की पद्धतियां भिन्न हैं, फिर भी इनके बीच एक अदृश्य सांस्कृतिक सूत्र मौजूद है।

उत्तर भारत में दशहरा भगवान राम की रावण पर विजय के रूप में मनाया जाता है। रामलीलाओं के मंचन के बाद रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन होता है। यह आयोजन केवल रामकथा का पुनर्पाठ नहीं, बल्कि समाज को यह याद दिलाने का अवसर भी है कि शक्ति और ज्ञान के बावजूद अहंकार मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है। रामलीला के मंच पर प्रस्तुत प्रसंग पीढ़ियों तक नैतिक मूल्यों और लोक-संस्कृति को पहुंचाते हैं। मेलों में बच्चों की उमंग, कलाकारों की मेहनत और लोगों की सामूहिक भागीदारी इस पर्व को सामाजिक उत्सव का रूप देती है। लेकिन दशहरे का अर्थ केवल रावण के पुतले का दहन नहीं है। यदि रावण को जलाने की रस्म के बाद समाज में अहंकार, अन्याय, हिंसा, स्त्री-असम्मान और भेदभाव कायम रहते हैं, तो पर्व का नैतिक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज के समय में दशहरा हमें अपने भीतर और अपने आसपास मौजूद बुराइयों को पहचानने की चुनौती देता है। भ्रष्टाचार, नफरत, सामाजिक असमानता और कमजोरों के अधिकारों की अनदेखी भी ऐसी बुराइयां हैं, जिनसे मुक्ति के बिना विजयादशमी का संदेश सार्थक नहीं हो सकता। बंगाल में दशहरा दुर्गापूजा के व्यापक उत्सव का हिस्सा है। यहां मां दुर्गा की आराधना के साथ महिषासुर पर उनकी विजय का स्मरण किया जाता है। बंगाली समाज में दुर्गा को बेटी के रूप में देखने की आत्मीय परंपरा भी है। मान्यता के अनुसार, मां दुर्गा अपने मायके आती हैं और कुछ दिनों बाद विदा होती हैं। इस भावभूमि में दुर्गापूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहती, बल्कि घर-परिवार, स्मृति, प्रेम और बिछोह की अनुभूति से जुड़ जाती है। विशाल पंडाल, कलात्मक प्रतिमाएं, रोशनी, संगीत और सामूहिक भोजन इस आयोजन को जनजीवन का हिस्सा बनाते हैं। ओडिशा और असम में भी दुर्गापूजा की अपनी क्षेत्रीय विशेषताएं हैं।

गुजरात में नवरात्र के दौरान गरबा और डांडिया उत्सव का केंद्र बन जाते हैं। रंग-बिरंगे परिधान, पारंपरिक संगीत और गोल घेरे में नृत्य सामूहिक उल्लास की तस्वीर पेश करते हैं। गरबा की परंपरा में शक्ति की उपासना और जीवन की निरंतरता का भाव जुड़ा है। यहां त्योहार धार्मिक आस्था के साथ लोककला, संगीत और सामाजिक मेलजोल को भी बढ़ावा देता है। बदलते समय में गरबा के आयोजन बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों का रूप ले चुके हैं, लेकिन इसकी सांस्कृतिक आत्मा सामूहिक भागीदारी और परंपरा से जुड़ाव में ही निहित है। दक्षिण भारत में विजयादशमी का संबंध शिक्षा, ज्ञान और नई शुरुआत से भी है। तमिलनाडु और केरल में नवरात्र के अंतिम दिनों में सरस्वती पूजा की जाती है। पुस्तकों, वाद्ययंत्रों और औजारों को पूजने की परंपरा ज्ञान तथा श्रम के सम्मान का प्रतीक है। विजयादशमी पर बच्चों को अक्षर-ज्ञान कराने की रस्म को विद्यारंभ कहा जाता है। इस परंपरा में एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक संदेश छिपा है—ज्ञान जीवन को बेहतर बनाने का साधन है और शिक्षा की शुरुआत शुभ संकल्प के साथ होनी चाहिए। आज जब शिक्षा में समान अवसर, डिजिटल विभाजन और सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता जैसे प्रश्न सामने हैं, तब यह परंपरा ज्ञान को सबकी पहुंच में लाने की जरूरत की याद दिलाती है। कर्नाटक के मैसूर का दशहरा अपनी भव्यता और ऐतिहासिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। मैसूर राजपरिवार और विजयनगर की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा यह उत्सव देवी चामुंडेश्वरी की आराधना के साथ मनाया जाता है। जंबू सवारी इसकी प्रमुख विशेषता है, जिसमें सजे-धजे हाथियों के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है।

सच्चा नारीवाद ...

अमरेन्द्र प्रताप सिंह

जाम, जिस्म और जुबान का शोर : क्या यही है आधुनिक स्त्री का सशक्तिकरण?

आज का दौर महिला अधिकारों और लैंगिक समानता की मुखर वकालत का दौर है, जो एक स्वस्थ समाज के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन इसी वैचारिक प्रगति की आड़ में एक विकृति भी पनप रही है, जिसे समाजशास्त्री 'स्यूडो-फेमिनिज्म' (छद्म-नारीवाद) या 'टॉक्सिक फेमिनिज्म' कहते हैं। जब आंदोलन का मूल उद्देश्य 'समानता' से भटककर 'पुरुष-द्वेष' (मिसैंड्री) और केवल दैहिक व सामाजिक दुराग्रहों में तब्दील होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि वैचारिक भटकाव आ चुका है। मूल स्त्रीवाद का संघर्ष सदियों पुरानी पितृसत्तात्मक व्यवस्था, लैंगिक भेदभाव और असमानता के खिलाफ रहा है। इसका उद्देश्य पुरुषों को नीचा दिखाना कभी नहीं था, बल्कि महिलाओं के लिए समान अवसर, शिक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना था। इसके विपरीत, आज सोशल मीडिया के दौर में आधुनिकता की परिभाषा बेहद सतही और सिर्फ 'देह' या 'उन्मुक्त विलासिता' तक सिमटती दिख रही है। हाथ में बियर का गिलास थामना, अंग-प्रदर्शन करते कपड़ों में तस्वीरें डालना या दोहरे अर्थों वाली कामुक सूक्तियों व 'कचौड़ी-समोसे' जैसे द्विअर्थी मुहावरों से पुरुषों को चिढ़ाना ही कुछ कथित बौद्धिक महिलाओं के लिए 'क्रांति' बन गया है। इस तथाकथित यौन-आजादी और बेबाकी के फेर में वे यह भूल जाती हैं कि पितृसत्ता का विरोध करने और खुद एक उपभोग की वस्तु (Object) की तरह दिखने में एक बहुत बारीक रेखा होती है। यहाँ समानता 'सुविधाजनक' हो जाती है—जहाँ देह और निजी इच्छाओं के प्रदर्शन पर तो पहला हक चाहिए, लेकिन जिम्मेदारी के वक्त 'महिला कार्ड' खेल दिया जाता है। इस भटकाव का सबसे चिंताजनक पहलू यही है कि पुरुष समुदाय को सामूहिक रूप से केवल कामुक शोषक मानकर उनके खिलाफ ज़हर उगलना ही अब 'कूल' होने का पैमाना बन गया है। इससे भी बढ़कर, सुरक्षा के लिए बने प्रगतिशील कानूनों का व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए झूठा इस्तेमाल वास्तविक पीड़ित महिलाओं के संघर्ष को कमजोर करता है।

सच्चा नारीवाद समाज में विभाजन की लकीरें नहीं खींचता, बल्कि एक स्वस्थ सह-अस्तित्व की ज़मीन तैयार करता है। वह पुरुषों को अपना जन्मजात दुश्मन नहीं, बल्कि व्यवस्था में बदलाव का सबसे बड़ा सहयात्री मानता है। यदि हमें वाकई एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज बनाना है, तो सशक्तिकरण के नाम पर परोसी जा रही इस सतही उद्दंडता, दैहिक नुमाइश और सड़े हुए पुरुष-द्वेष को सिरे से खारिज करना होगा। इंटरनेट के बंद कमरों से निकलने वाले इस 'टॉक्सिक फेमिनिज्म' के शोर को अब चुप होना ही होगा, ताकि चूल्हे से लेकर चौखट और कॉर्पोरेट तक लड़ रही वास्तविक पीड़ित महिलाओं की गूँज को दबाया न जा सके। मुखौटों को उतारना ही होगा, क्योंकि समाज की तरक्की किसी लिंग विशेष के वर्चस्व से नहीं, बल्कि दोनों के आपसी सम्मान और संतुलन से तय होती है।

सत्ता परिवर्तन का रास्ता भीड़तंत्र नहीं, जनमत -लोकतंत्र से

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि विविधताओं, सहिष्णुता, शांति और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए पहचाना जाने वाला देश भी है। यहां सत्ता परिवर्तन का अधिकार जनता को प्राप्त है और यही अधिकार भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है लेकिन जब देश में सत्ता परिवर्तन को लेकर बांग्लादेश जैसे घटनाक्रम का उदाहरण दिया जाता है या 'रिजीम चेंज अर्थात शासन व्यवस्था को बदलने की बात कही जाती है, तो इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। भारत जैसे विशाल और परिपक्व लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन का रास्ता संवैधानिक व्यवस्था, जनमत और शांतिपूर्ण आंदोलनों से होकर गुजरना चाहिए, न कि भीड़ के दबाव अथवा अराजकता से।

हाल के दिनों में विपक्ष पर भारत में भी बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन की कोशिश करने के आरोप लगाए गए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के संदर्भ में भी 'रिजीम चेंज की बहस सामने आई है। ऐसे बयानों और आरोपों का मूल्यांकन राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर किया जाना चाहिए। किसी व्यक्ति के बयान का वास्तविक अर्थ उसके पूरे संदर्भ में समझना जरूरी है। केवल किसी शब्द के आधार पर किसी व्यक्ति या पूरे विपक्ष की मंशा पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। फिर भी, यदि सत्ता परिवर्तन का आशय संवैधानिक प्रक्रिया से बाहर जाकर सरकार को हटाने या व्यवस्था को अस्थिर करने से है, तो ऐसी सोच स्वस्थ लोकतंत्र के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक है। भारत और बांग्लादेश की राजनीतिक, सामाजिक तथा संवैधानिक परिस्थितियों में अंतर है। भारत में नियमित चुनाव, स्वतंत्र न्यायपालिका, निर्वाचन आयोग, संसद, राज्य विधानसभाएं और संवैधानिक संस्थाएं सत्ता परिवर्तन के स्थापित माध्यम हैं। इन संस्थाओं की मजबूती ही लोकतंत्र की स्थिरता सुनिश्चित करती है। किसी दूसरे देश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम को भारत में दोहराने की कल्पना करना न तो आवश्यक है और न ही भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप।

सौरभ वार्ष्णेय

जरा हटके

ऑपरेशन कायाकल्प से संवरी बलरामपुर के परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था में तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल को लगातार विस्तार दे रही है। सरकार का जोर है कि डिजिटल संसाधन विद्यार्थियों की पहुंच से दूर रहने वाली सुविधा न होकर सीखने का सहज, सुलभ और प्रभावी माध्यम बनें। 2017 से पहले जहां डिजिटल शिक्षा केवल बड़े प्राइवेट स्कूलों तक सीमित थी, वहीं अब प्रदेश सरकार उसे परिषदीय विद्यालय के हर बच्चे के घर तक पहुंचा रही है।

शिक्षा के इस क्षेत्र में पीएम ई-विद्या डिजिटल प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों और शिक्षकों को पढ़ाई से जुड़े आवश्यक संसाधन एक ही मंच पर निःशुल्क उपलब्ध करा रहा है। प्रदेश सरकार की डिजिटल शिक्षा नीति का लक्ष्य तकनीक को शिक्षा का विकल्प बनाने के साथ-साथ उसे सीखने की प्रक्रिया का प्रभावी सहयोगी बनाना है। पीएम ई-विद्या इसी सोच को व्यापक डिजिटल पहुंच में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पीएम ई-विद्या को विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शिक्षा के एक उपयोगी मंच के रूप में देखा जा रहा है। इसमें पढ़ाई से जुड़े आवश्यक डिजिटल संसाधनों तक एक ही स्थान से पहुंच बनाने की सुविधा है। इससे विद्यार्थियों को सीखने के लिए अलग-अलग माध्यमों पर निर्भरता कम होगी और डिजिटल सामग्री तक पहुंच अधिक सहज होगी। पहले बच्चे को एक विषय के लिए एक ऐप और दूसरे विषय के लिए दूसरा ऐप खोजना पड़ता था, लेकिन अब पीएम ई-विद्या पर एक ही जगह पर वीडियोलेक्चर, ई-बुक्स, ऑडियोकंटेंट और अन्य पठन सामग्री मिल रही है। शिक्षक भी उपलब्ध डिजिटल संसाधनों को अपनी कक्षा शिक्षण प्रक्रिया के सहयोगी माध्यम के रूप में उपयोग कर सकते हैं, जिससे कक्षा-शिक्षण और अधिक रोचक बनेगा।

पीएम ई-विद्या की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि डिजिटल लर्निंग से जुड़े सभी संसाधन पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध हैं। इससे विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार घर बैठे डिजिटल माध्यम का उपयोग कर अध्ययन कर सकते हैं। गांव के उस बच्चे के लिए भी यह वरदान है, जिसके पास महंगी कोचिंग या किताबें खरीदने के पैसे नहीं हैं। वह अपने माता-पिता के फोन पर ही पीएम ई-विद्या से पढ़ सकता है। डिजिटल संसाधनों की आसान उपलब्धता विद्यार्थियों के सीखने के अवसरों को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एक ही मंच पर सामग्री उपलब्ध होने से डिजिटल शिक्षा को अधिक समावेशी, सुलभ और प्रभावशाली बनाने में मदद मिलेगी।

पीएम ई-विद्या ऐपएंड्रॉयड और आईओएस, दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। एंड्रॉयड उपयोगकर्ता इसे गूगल प्ले स्टोर तथा आईओएस उपयोगकर्ता एप्पलऐपस्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इससे विभिन्न डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने वाले विद्यार्थी और शिक्षक इस मंच से जुड़ रहे हैं। यानी चाहे सस्ता एंड्रॉयड फोन हो या आईफोन, हर बच्चे की पढ़ाई अब एक ऐप पर होगी। सोशल मीडिया के माध्यम से भी पीएम ई-विद्या ऐप के बारे में जानकारी साझा की जा रही है, जिससे विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक इससे जुड़ सकें। एससीईआरटी के माध्यम से डिजिटल संसाधनों को विद्यार्थियों और शिक्षकों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि विद्यालयी शिक्षण में इनका अधिकतम उपयोग हो।

प्रदेश सरकार प्रदेश के बच्चों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल संसाधनों के विस्तार पर विशेष जोर दे रही है। पीएम ई-विद्या जैसे प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पढ़ाई से जुड़े आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर सीखने की प्रक्रिया को अधिक सहज और प्रभावी बनाते हैं। यह पहल ऑपरेशन कायाकल्प, स्मार्ट क्लास और निपुण भारत के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में शिक्षा की तस्वीर बदल रही है। अब तकनीक का लाभ प्रदेश के अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंच रहा है और डिजिटल शिक्षा उनके सीखने का मजबूत माध्यम बन रही है, जिससे शहर और गांव के बीच की डिजिटल खाई भी खत्म हो रही है।

डिजिटल शिक्षा को घर-घर पहुंचाने में पीएम ई-विद्या बना पढ़ाई का संसाधन

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था में तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल को लगातार विस्तार दे रही है। सरकार का जोर है कि डिजिटल संसाधन विद्यार्थियों की पहुंच से दूर रहने वाली सुविधा न होकर सीखने का सहज, सुलभ और प्रभावी माध्यम बनें। 2017 से पहले जहां डिजिटल शिक्षा केवल बड़े प्राइवेट स्कूलों तक सीमित थी, वहीं अब प्रदेश सरकार उसे परिषदीय विद्यालय के हर बच्चे के घर तक पहुंचा रही है। शिक्षा के इस क्षेत्र में पीएम ई-विद्या डिजिटल प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों और शिक्षकों को पढ़ाई से जुड़े आवश्यक संसाधन एक ही मंच पर निःशुल्क उपलब्ध करा रहा है। प्रदेश सरकार की डिजिटल शिक्षा नीति का लक्ष्य तकनीक को शिक्षा का विकल्प बनाने के साथ-साथ उसे सीखने की प्रक्रिया का प्रभावी सहयोगी बनाना है। पीएम ई-विद्या इसी सोच को व्यापक डिजिटल पहुंच में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पीएम ई-विद्या को विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शिक्षा के एक उपयोगी मंच के रूप में देखा जा रहा है। इसमें पढ़ाई से जुड़े आवश्यक डिजिटल संसाधनों तक एक ही स्थान से पहुंच बनाने की सुविधा है। इससे विद्यार्थियों को सीखने के लिए अलग-अलग माध्यमों पर निर्भरता कम होगी और डिजिटल सामग्री तक पहुंच अधिक सहज होगी। पहले बच्चे को एक विषय के लिए एक ऐप और दूसरे विषय के लिए दूसरा ऐप खोजना पड़ता था, लेकिन अब पीएम ई-विद्या पर एक ही जगह पर वीडियोलेक्चर, ई-बुक्स, ऑडियोकंटेंट और अन्य पठन सामग्री मिल रही है। शिक्षक भी उपलब्ध डिजिटल संसाधनों को अपनी कक्षा शिक्षण प्रक्रिया के सहयोगी माध्यम के रूप में उपयोग कर सकते हैं, जिससे कक्षा-शिक्षण और अधिक रोचक बनेगा। पीएम ई-विद्या की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि डिजिटल लर्निंग से जुड़े सभी संसाधन पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध हैं। इससे विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार घर बैठे डिजिटल माध्यम का उपयोग कर अध्ययन कर सकते हैं। गांव के उस बच्चे के लिए भी यह वरदान है, जिसके पास महंगी कोचिंग या किताबें खरीदने के पैसे नहीं हैं।

धर्मवीर खरे

काशी में स्कॉर्पियो खड़ी कर फोटो खींच रहे थे, ट्रक ने रौंदा, 2 युवक 30 फीट नीचे गिरे

ओवरब्रिज पर सेल्फी ले रहे 4 दोस्तों की मौत

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में ओवरब्रिज पर स्कॉर्पियो रोककर सेल्फी ले रहे 4 दोस्तों की मौत हो गई। 4 की हालत गंभीर है। सभी विंध्याचल दर्शन कर काशी लौट रहे थे। सोमवार सुबह 6 बजे प्रयागराज-वाराणसी हाईवे (NH-19) के ओवरब्रिज पर गाड़ी रोक दी। गाड़ी खड़ी करके सभी बाहर निकल आए। ओवरब्रिज पर खड़े होकर तस्वीरें लेने लगे। अचानक तेज रफ्तार ट्रक पीछे से आया और स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लाशें 25 फीट तक बिखर गईं। स्कॉर्पियो का आधा हिस्सा गायब हो गया। 3 दोस्तों के शव ओवरब्रिज पर, जबकि एक का शव 30 फीट नीचे गिर गया। एक युवक भी ओवरब्रिज के नीचे



तड़पता मिला। हादसे से चंद मिनट पहले की एक तस्वीर सामने आई है। इसमें सभी स्कॉर्पियो (UP 65 EB 2199) को आगे खड़े हैं। यह इनकी आखिरी तस्वीर थी। इसके चंद मिनट बाद ही ट्रक इनको रौंदते हुए निकल गया। हादसे में आनंद यादव (25), आलोक मिश्रा (30), प्रदीप सिंह (36) और विद्वांशु यादव (30) की मौत हुई है। घायलों में सावन यादव (26), किशन यादव (35), राजकुमार यादव (35) और निखिल (32) शामिल हैं। सभी घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हादसा जिला मुख्यालय से 27 किमी दूर मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के रूपापुर गांव में हुआ।

आखिरी सेल्फी... हादसे के चंद मिनट पहले दोस्तों ने ओवरब्रिज पर यही तस्वीर ली थी। लाल घेरे में एक्सिस बैंक का बोर्ड दिख रहा है, जहां सभी दोस्त सेल्फी ले रहे थे।

ट्रक 80 से 90 की स्पीड में था, ड्राइवर भागा

पुलिस के मुताबिक, ट्रक भी प्रयागराज से वाराणसी की तरफ आ रहा था। उसमें सेब लदा था। ट्रक की स्पीड 80 से 90 किमी के बीच थी। यही वजह है कि ओवरब्रिज पर अचानक स्कॉर्पियो खड़ी देखकर ड्राइवर ट्रक संभाल नहीं पाया। पीछे से स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। इससे स्कॉर्पियो करीब 30-40 मीटर तक आगे घिसटती चली गई। सभी 8 दोस्त भी गाड़ी के आसपास खड़े थे। ट्रक उनमें से 4 दोस्तों को रौंदता निकल गया, जबकि बाकी 4 दोस्त भी ट्रक की चपेट में आ गए।

प्रदीप ई-कॉमर्स कंपनी में मैनेजर, विद्वांशु करते थे ठेकेदारी

1. **आलोक मिश्रा-** पिसौर, शिवपुर के रहने वाले थे। पिता अजय किसान और मां उर्मिला गृहिणी हैं। 3 भाई-बहनों में आलोक दूसरे नंबर के थे। 12वीं तक की पढ़ाई की है। पिता ने बताया- 5 दिन बाद JIO कंपनी में जॉइन करने वाले थे।
2. **विद्वांशु यादव-** वीडीए कॉलोनी शिवपुर के रहने वाले थे। ठेकेदारी करते थे। 3 भाइयों में दूसरे नंबर के थे। पिता की मौत के बाद घर की जिम्मेदारी निभा रहे थे। मां मृदुला देवी हाउसवाइफ हैं।
3. **प्रदीप सिंह-** चोलापुर के रहने वाले थे। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो में मैनेजर के पद पर थे। इनका एक बेटा है। मौत की सूचना मिलने पर पत्नी सोना का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।
4. **आनंद यादव-** शिवपुर के रहने वाले थे।

इंस्पेक्टर मिर्जामुराद गोपालजी कुशवाह ने बताया- आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि कार सवार लोग ओवरब्रिज पर खड़े होकर सेल्फी ले रहे थे। हालांकि, हादसे की असली वजह जांच के बाद ही सामने आएगी।

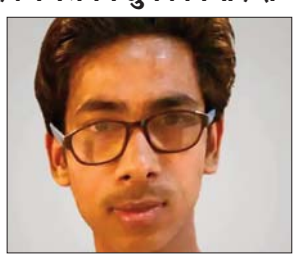
चंदौली सांसद वीरेंद्र सिंह पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे

4 लोगों की मौत की सूचना पर चंदौली सांसद वीरेंद्र सिंह पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी। इससे पहले घटनास्थल पर सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ भी पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने विजयादशमी के पावन अवसर पर

प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएँ दीं

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने विजयादशमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि विजयादशमी का पर्व अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का शाश्वत संदेश देता है।

भगवान श्रीराम ने इसी पावन अवसर पर अधर्म और अन्याय के प्रतीक रावण का संहार कर धर्म की विजय स्थापित की थी। यह पर्व भारतीय संस्कृति में सत्य, न्याय और धर्म के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम भारतीय जीवन-मूल्यों के आदर्श हैं। उनका जीवन सत्य, मर्यादा, न्याय, त्याग, परोपकार और लोककल्याण के लिए समर्पण की प्रेरणा देता है। श्रीराम का जीवन हमें अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान रहते हुए समाज और राष्ट्र के हित में कार्य करने का मार्ग दिखाता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नवरात्रि में आदिशक्ति माँ दुर्गा की आराधना के बाद विजयादशमी का पर्व शक्ति और धर्म की विजय के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व हमें अपने जीवन से अहंकार, अन्याय और नकारात्मक प्रवृत्तियों को दूर करने तथा सत्य और सदाचार के मार्ग को अपनाने की प्रेरणा देता है। विजयादशमी की गरिमा और पवित्रता को बनाए रखते हुए पर्व को श्रद्धा, उल्लास और सौहार्द के साथ मनाना हम सभी का दायित्व है।

फास्ट न्यूज

बैंक से 21 करोड़ का घोटाला, दो सगे भाई गिरफ्तार

गोंडा। गोंडा के कोऑपरेटिव बैंक में हुए 21.47 करोड़ के घोटाले में पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। उस समय मैनेजर रहे आरोपी ने घोटाले में अपनी मां-पत्नी और दोनों बेटों को भी शामिल किया था। पुलिस ने 9 महीने से फरार चल रहे दोनों बेटों को 18 अक्टूबर शाम 5 बजे गिरफ्तार कर लिया। घोटाले में शामिल 16 में अब तक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

चंदौली में दशहरे पर जलेगा 60 फीट ऊंचा रावण

चंदौली। चंदौली के अलीनगर थाना क्षेत्र स्थित मानस नगर मैदान में दशहरे पर करीब 60 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इसकी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। स्थानीय कलाकार 10 से 15 दिनों में पुतला तैयार करते हैं। मैदान में यह आयोजन कई दशकों से होता आ रहा है और इसे देखने के लिए जिले भर से लोग पहुंचते हैं। रावण दहन स्थल के आसपास मेले जैसा माहौल है। यहां आधुनिक झूले, चरखी और चाट-पकौड़ी की दुकानें सज गई हैं। दशहरे के मौके पर बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है।

तीन साल बाद बरेका में फिर एक सिर वाला रावण

वाराणसी। बरेका स्टेडियम में दशहरे पर होने वाले रावण दहन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले बनकर तैयार हैं। सोमवार को तीनों पुतलों को स्टेडियम में खड़ा कर दिया गया। इस बार तीनों पुतलों की ऊंचाई पिछले साल के मुकाबले पांच-पांच फीट बढ़ाई गई है। रावण 70 फीट, कुंभकरण 65 फीट और मेघनाद का पुतला 60 फीट ऊंचा है।

अयोध्या का वैभव सात समन्दर पार

रूसी बोले- दोनों देशों को जोड़ रही श्री राम की लीला

- 'रूस के राम' गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव की 100वीं जयंती पर मॉस्को में समारोह
- रूसी कलाकारों और बुद्धिजीवियों की प्रवासी भारतीयों के साथ रामराज्य की अवधारणा पर चर्चा
- रूसी बोले, अयोध्या की तरह दिवाली पर जगमगाएगा मॉस्को, योगी जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद बढ़ा अयोध्या का वैभव

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या में हुए विकास कार्यों की चर्चा अब रूस की राजधानी मॉस्को में भी हो रही है। मॉस्को में 'रूसी राम' के नाम से प्रसिद्ध सोवियत रंगमंच के अभिनेता गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव की 100वीं जयंती पर आयोजित समारोह में रूसी कलाकारों और बुद्धिजीवियों ने अयोध्या के विकास और रामलीला के आयोजन की सराहना की। कलाकारों ने कहा कि जिस तरह दिवाली पर अयोध्या जगमगाती है, उसी तरह वे मॉस्को में भी भगवान राम की लीला के माध्यम से भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करना चाहते हैं।

'रूस के राम' गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव की 100वीं जयंती पर मॉस्को में समारोह

अयोध्या का वैभव सात समन्दर पार, रूसी बोले- दोनों देशों को जोड़ रही श्री राम की लीला

- रूसी कलाकारों और बुद्धिजीवियों की प्रवासी भारतीयों के साथ रामराज्य की अवधारणा पर चर्चा
- रूसी बोले, अयोध्या की तरह दिवाली पर जगमगाएगा मॉस्को, योगी जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद बढ़ा अयोध्या का वैभव
- सोवियत रंगमंच के प्रतिष्ठित अभिनेता पेचनिकोव ने भगवान राम की भूमिका निभा कर रूस में भारतीय संस्कृति को दिलाई पहचान


'रूस के राम' गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव की 100वीं जयंती पर मॉस्को में समारोह.

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या में हुए विकास कार्यों की चर्चा अब रूस की राजधानी मॉस्को में भी हो रही है। मॉस्को में 'रूसी राम' के नाम से प्रसिद्ध सोवियत रंगमंच के अभिनेता गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव की 100वीं जयंती पर आयोजित समारोह में रूसी कलाकारों और बुद्धिजीवियों ने अयोध्या के विकास और रामलीला के आयोजन की सराहना की। कलाकारों ने कहा कि जिस तरह दिवाली पर अयोध्या जगमगाती है, उसी तरह वे मॉस्को में भी भगवान राम की लीला के माध्यम से भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करना चाहते हैं।

पेचनिकोव ने रूस को रामराज्य की अवधारणा से कराया परिचित

मॉस्को के एर्शोव थिएटर संस्थान के वीसी बिताली एवगेनिविच दाशिंस्की ने कहा कि गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव ने रूस के लोगों को भगवान राम और रामराज्य की अवधारणा से परिचित कराया। उन्होंने अपने अभिनय के माध्यम से भगवान राम के आदर्शों को रूसी समाज तक पहुंचाया। उनका योगदान केवल रंगमंच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव को भी मजबूत किया। आज उनकी 100वीं जयंती पर दोनों देशों के कलाकार और भारतीय समुदाय के लोग उन्हें याद कर रहे हैं।



रूसी रंगमंच पर राम बनकर बनाई अलग पहचान

मास्को में आयोजित होने वाली रामलीला के निर्माता एवं निर्देशक डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव सोवियत रंगमंच के प्रतिष्ठित अभिनेता थे। उन्होंने भगवान राम की भूमिका निभाकर रूस में भारतीय संस्कृति और रामायण की परंपरा को लोकप्रिय बनाने में योगदान दिया।

इसी कारण उन्हें 'रूसी राम' के नाम से जाना जाता है। उनकी जन्मशताब्दी पर मॉस्को में आयोजित समारोह में उनके अभिनय और भारत-रूस के सांस्कृतिक संबंधों में योगदान को याद किया गया। समारोह में रूसी कलाकारों और प्रवासी भारतीयों की भागीदारी ने दोनों देशों के सांस्कृतिक जुड़ाव को सामने रखा।

जीवनशैली को तामझाम से दूर कर शांति, आनंद और सकारात्मकता को दें स्थान

अयोध्या में आधुनिक सुविधाओं से युक्त साम्राज्य वाटिका का मॉडल एवं दर्शक गैलरी तैयार

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ/अयोध्याधाम। डॉ. ऋतिक कटारिया एम.एस./ आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते दिखावे, अनावश्यक तामझाम और सोशल मीडिया की कृत्रिम दुनिया से दूर रहकर शांति, आनंद और सकारात्मकता के साथ जीवन जीना समय की आवश्यकता है। जीवन की वास्तविक सार्थकता बाहरी चकाचौंध में नहीं, बल्कि रचनात्मक कार्यों, सामाजिक सरोकारों और मानवीय संवेदनाओं में निहित है। इसी विचार को केंद्र में रखते हुए बिग एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से सुशांत गोल्फ सिटी स्थित प्लैटिनम मॉल के निकट सर्वसमाज भंडारे का आयोजन किया गया। कंपनी के सीएमडी बृजेश तिवारी उर्फ शांडिल तिवारी तथा निदेशक महेश त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित भंडारे में लोगों को भोजन कराया गया। इस दौरान अनावश्यक दिखावे से बचने, समय एवं कार्य के महत्व को समझने तथा सकारात्मक और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से भविष्य को उज्ज्वल बनाने का संदेश दिया गया। इसी क्रम में अयोध्याधाम में राम जन्मभूमि मंदिर के निकट विकसित किए जा रहे साम्राज्य अयोध्या प्रोजेक्ट की साम्राज्य वाटिका के मॉडल एवं दर्शक गैलरी का शुभारंभ किया गया। साथ ही 'हिस्सा बनिए एक स्वर्णिम साम्राज्य अयोध्या के उदय का' शीर्षक से प्रकाशित 64 पृष्ठों की आकर्षक 3डी बुकलेट का विमोचन वरिष्ठ नागरिक, पूर्व लेखाधिकारी, समाजसेवी एवं पत्रकार प्राग दत्त के हाथों अयोध्याधाम में कराया गया।

स्टार्लिंग डेवलपर्स के सौजन्य से विकसित किए जा रहे इस प्रोजेक्ट में आधुनिक जीवनशैली, सुविधाओं और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई है।

परियोजना में जिम, स्विमिंग पूल, योग केंद्र, रीडिंग रूम, मिनी थिएटर, मंदिर, बिजनेस सेंटर, सात्विक कैफे और सुइट्स सहित विभिन्न सुविधाओं की जानकारी बुकलेट में दी गई है।



188वें सप्ताह भी जारी रहा 'आपका विधायक, आपके द्वार' अभियान

105 लोगों की आंखों की जांच, 92 को चश्मे, चार मेधावी विद्यार्थियों को साइकिलें भेंट

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। लखनऊ, सरोजनीनगर में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल पर संचालित 'आपका विधायक, आपके द्वार' अभियान के 188वें सप्ताह रहीमनगर पड़ियाना के मजरा गोडवा में जनसुनवाई और जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनसुनवाई में सड़क, नाली, पेंशन, आवास, बिजली, स्ट्रीट लाइट और आर्थिक सहायता समेत विभिन्न समस्याओं से जुड़े 26 आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया। ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए श्री साईं ऑप्टिकल के सहयोग से निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर लगाया गया। इसमें 105 लोगों की आंखों की जांच की गई और 92 जरूरतमंदों को चश्मे वितरित किए गए।

बच्चों और युवाओं की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 194वें बॉयज यूथ क्लब और 135वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन किया गया। बॉयज क्लब को क्रिकेट और वॉलीबॉल, जबकि गर्ल्स क्लब को कैरम, बैडमिंटन और वॉलीबॉल की किट प्रदान की गईं।

वहीं, शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों के आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से मेधावी छात्राओं मांशी, नैन्शी और अंकिता तथा छात्र अंकुश को साइकिलें भेंट की गईं।

अभियान के माध्यम से जनसमस्याओं की सुनवाई के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में जरूरतमंदों तक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

दशहरे पर मुरादाबाद में ट्रैफिक डायवर्जन लागू

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेगी फोर्स

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। दशहरा पर्व पर कुंदनपुर स्थित रामलीला ग्राउंड में लगने वाले मेले को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर में रूट डायवर्जन की व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। 20 अक्टूबर को दोपहर दो बजे से मेला समाप्त होने तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। मेले में श्रद्धालुओं और आम लोगों की भीड़ को देखते हुए भारी वाहनों, रोडवेज बसों, निजी बसों और अन्य वाहनों के लिए अलग-अलग यातायात व्यवस्था निर्धारित की गई है। यातायात पुलिस का उद्देश्य मेले के दौरान जाम की स्थिति से बचना और लोगों की आवाजाही को सुचारू बनाए रखना है।



दोपहर 2 बजे से लागू होगा रूट डायवर्जन

यातायात पुलिस के अनुसार, 20 अक्टूबर को दोपहर दो बजे से मेला समाप्त होने तक निर्धारित मार्गों पर डायवर्जन लागू रहेगा। इस दौरान रामलीला ग्राउंड की ओर जाने वाले वाहनों को जरूरत के मुताबिक वैकल्पिक रास्तों से निकाला जाएगा। माल गोदाम से संचालित होने वाले मालवाहक वाहनों पर रात दो बजे तक रोक रहेगी। वहीं, दोपहर तीन बजे से कपूर कंपनी पुल की ओर से रामलीला ग्राउंड तक केवल पैदल आने-जाने वाले लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी।

मंडी समिति में खड़े करने होंगे निजी वाहन

रामलीला ग्राउंड में मेला देखने के लिए निजी वाहन से आने वाले लोगों के लिए मंडी समिति में निर्धारित पार्किंग स्थल बनाया गया है। वाहन चालकों को अपनी गाड़ियां इसी पार्किंग स्थल पर खड़ी करनी होंगी। इसके बाद उन्हें पैदल मेला स्थल तक पहुंचना होगा। आम वाहन चौधरी चरण सिंह चौक से कुंदनपुर की तरफ जा सकेंगे।

शहर के बाहर तय किए बसों के स्टॉपेज

- दूसरे शहरों से आने वाली रोडवेज और निजी बसों के लिए भी अलग-अलग स्टॉपेज बनाए गए हैं।
- बिजनौर और कांठः कोठीवाल डेंटल कॉलेज तक आएंगी बसें।
- रामपुर और बरेलीः हनुमान मूर्ति से वापस लौटेंगी।
- संभल, दिल्ली और बिलारीः आजाद नगर मोड़ तक आएंगी।
- काशीपुर, टांडा और बाजपुरः काशीपुर तिराहे तक ही पहुंच सकेंगी।

रोडवेज और निजी बसों के लिए भी अलग व्यवस्था

दशहरा मेले में दूसरे शहरों और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले लोगों की संख्या को देखते हुए रोडवेज और निजी बसों के संचालन के लिए भी अलग-अलग व्यवस्था निर्धारित की गई है। बाहरी शहरों से आने वाली बसें अपने निर्धारित स्टॉपेज से आगे नहीं जा सकेंगी। यात्रियों को बसों के तय ठहराव स्थलों पर उतरकर आगे की यात्रा के लिए उपलब्ध वैकल्पिक साधनों या पैदल मार्ग का इस्तेमाल करना होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य बसों के कारण मेला क्षेत्र के आसपास यातायात बाधित होने से रोकना है। हालांकि, बसों के सभी निर्धारित स्टॉपेज और वैकल्पिक मार्गों का विवरण वाहन चालकों और यात्रियों को यातायात पुलिस की ओर से जारी आधिकारिक निर्देशों के अनुसार देखना चाहिए।



को लगा करंट 7 साल के बच्चे

हाईटेंशन लाइन की गार्डिंग के लिए लगाया गया तार टूटकर ऊपर गिरा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में सोमवार दोपहर बिजली विभाग की लापरवाही से 7 साल का बच्चा करंट की चपेट में आ गया। बच्चा अपनी नानी के साथ बाजार जा रहा था। तभी हाईटेंशन लाइन की गार्डिंग के लिए लगाया गया तार टूटकर उसके ऊपर गिर गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने बच्चे को तार से अलग किया और अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। मथुरा-वृंदावन रोड पर गंदे कुआं के पास रहने वाले अजय कुमार का 7 साल का भांजा प्रिंस अपनी नानी करिश्मा के साथ बाजार जा रहा था। दोनों घर से कुछ दूर मुख्य रास्ते पर पहुंचे थे, तभी हाईटेंशन लाइन की गार्डिंग के लिए लगाया गया तार टूटकर गिर गया। इसकी चपेट में आने से प्रिंस गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वहां से गुजर रहे लोगों ने बच्चे को तार से अलग किया। मौके पर ही उसे सीपीआर दी गई। इसके बाद लोग उसे बाइक रिक्शा से जिला संयुक्त चिकित्सालय लेकर पहुंचे। वहां से हालत गंभीर होने पर उसे रामकृष्ण मिशन अस्पताल रेफर किया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया।



फास्ट न्यूज

आगरा में 70% इलाकों में जल संकट

आगरा। आगरा शहर में गंगाजल की आपूर्ति बाधित होने से पानी का संकट गहरा गया है। रविवार को करीब 70% इलाकों में पानी नहीं पहुंचा। कहीं सुबह की आपूर्ति प्रभावित रही तो कहीं शाम को भी नलों से पानी नहीं आया। इससे लोगों को पीने के पानी और घरेलू जरूरतों के लिए परेशान होना पड़ा। जलकल विभाग ने संकट से निपटने के लिए मेरठ के सिंचाई विभाग से मध्य गंगा कैनाल से पानी छोड़ने का अनुरोध किया है।

ऑटो में यात्री के 8 हजार रुपए चोरी

अलीगढ़। अलीगढ़ के क्वारसी क्षेत्र में ऑटो रिक्शा में सफर कर रहे एक व्यक्ति के पर्स से 8 हजार रुपये चोरी हो गए। पीड़ित ने शोर मचाया तो आरोपी भागने लगा, लेकिन लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास से 500-500 रुपये के 16 नोट मिले। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को उसे जेल भेजा जाएगा। रत सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:20 बजे वह अपने भाई तेजवीर सिंह के साथ ऑटो में सफर कर रहे थे।

पुजारी के बेटे ने सुसाइड नोट लिखकर फांसी लगाई

हरदोई। हरदोई के बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कृष्णानगर में सोमवार सुबह एक युवक ने अपने घर में साड़ी से फंदा लगाकर जान दे दी। उसका शव सुबह करीब 7:30 बजे लटका मिला। पुलिस को तलाशी के दौरान युवक की पैंट से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें उसने पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं।

छाता शुगर मिल पर पुतला दहन कार्यक्रम की अनुमति नहीं

धरना समाप्त कर स्थल खाली करने के निर्देश, उल्लंघन पर होगी कानूनी कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। छाता शुगर मिल को दोबारा संचालित कराने की मांग को लेकर मिल परिसर के बाहर कई दिनों से चल रहे धरना-प्रदर्शन को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उप जिला मजिस्ट्रेट छाता अखिलेश कुमार ने 20 अक्टूबर को प्रस्तावित जनप्रतिनिधियों के सांकेतिक पुतला दहन कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

साथ ही संबंधित लोगों को धरना समाप्त कर स्थल खाली करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन के अनुसार, धरना समाप्त करने और स्थल खाली करने के लिए पूर्व में कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

इसके बावजूद धरना जारी है। संबंधित व्यक्ति ललित कुमार कर्मयोगी को भी पूर्व में नोटिस देकर धरना-प्रदर्शन समाप्त करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद 20 अक्टूबर को छाता शुगर मिल परिसर में सांकेतिक पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किए जाने की सूचना मिली है। एसडीएम ने बताया कि क्षेत्राधिकारी छाता की आख्या के अनुसार, प्रस्तावित कार्यक्रम में आग जलाने, ज्वलनशील सामग्री के इस्तेमाल, भीड़ एकत्र होने और यातायात बाधित होने की आशंका है। इससे सार्वजनिक शांति एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। राष्ट्रीय राजमार्ग और सार्वजनिक आवागमन बाधित होने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी है।

प्रशासन ने संबंधित लोगों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रस्तावित पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित न करें और तत्काल धरना समाप्त कर धरना स्थल खाली करें।

राष्ट्रीय राजमार्ग और सार्वजनिक आवागमन बाधित होने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी है।

निर्देशों की अवहेलना करने या बिना अनुमति प्रतिबंधित गतिविधियां संचालित करने पर संबंधित विधिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने आमजन से क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने तथा सार्वजनिक आवागमन बाधित करने वाली गतिविधियों से बचने की अपील की है।

विशेषज्ञ बोले- दिन में धूप की तपिश रहेगी, रात में ठंडक महसूस होगी

आगरा में अगले 5 दिन आंधी-बारिश के आसार नहीं



तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में सोमवार सुबह से धूप खिली है। मौसम विभाग के मुताबिक 24 अक्टूबर तक मौसम साफ रहने की संभावना है। इस दौरान आंधी या बारिश के आसार नहीं हैं। दिन में धूप की तपिश बढ़ सकती है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आसमान साफ रहने से दिन के तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

हालांकि, हवा चलने से तापमान में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। मानसून के दौरान कम बारिश के बाद अक्टूबर में अच्छी बारिश हुई। इससे अक्टूबर के बारिश के रिकॉर्ड में थोड़ा सुधार हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 से 15 अक्टूबर के बीच सामान्य तौर पर 15.9 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, जबकि इस बीच 8.3 एमएम बारिश हुई है। पूरे मानसून में सामान्य से सिर्फ 3.1 मिमी कम बारिश 1 जून से 30 सितंबर तक चले मानसून सीजन में कुल 527.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। सामान्य तौर पर इस अवधि में 530.3 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। इस तरह पूरे सीजन में सामान्य से 3.1 मिमी यानी करीब 1% कम बारिश हुई। हालांकि, सीजन के दौरान कुछ दिनों में तेज बारिश हुई, जबकि बाकी समय बारिश सामान्य से कम रही। इसी वजह से पूरे मानसून का आंकड़ा सामान्य के करीब रहा, लेकिन बारिश का वितरण एक जैसा नहीं था।



हवा चलने से तापमान में उतार-चढ़ाव

सप्ताहभर से हवा चल रही है। इस कारण दिन और रात के तापमान में बदलाव देखने को मिल रहा है। गुरुवार-शुक्रवार को बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। रविवार को अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जोकि शनिवार के 32.3 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान शनिवार के 20.4 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 20.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। जोकि सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आने वाले दिनों में भी तापमान में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

पेड़ से टकराई रॉयल एनफील्ड, दो युवकों की मौत

खड़ैरा मोड़ छिबरऊ बंबा के पास हुआ हादसा

तमसा संकेत, संवाददाता

बल्देव, मथुरा। थाना बल्देव क्षेत्र में सोमवार को खड़ैरा मोड़ छिबरऊ बंबा के पास सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। उनकी रॉयल एनफील्ड हंटर 350 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सुभाष (30) पुत्र नेम सिंह निवासी नगला गिरधर, थाना बल्देव और मनोज (32) पुत्र विजय सिंह निवासी गोवर्धन चौराहा, मथुरा के रूप में हुई है। दोनों युवक सोमवार को रॉयल एनफील्ड हंटर 350 बाइक (यूपी 85 सीएक्स 8906) से बल्देव से नगला गिरधर की ओर जा रहे थे। रास्ते में खड़ैरा मोड़ छिबरऊ बंबा के पास बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना बल्देव के थानाध्यक्ष अभय कुमार शर्मा, हनुमान तिराहा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक वीर सिंह यादव और उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया। सूचना मिलने पर मृतकों के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस के मुताबिक, मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटनास्थल पर शांति व्यवस्था बनी हुई है।

हादसे में दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सुभाष (30) पुत्र नेम सिंह निवासी नगला गिरधर, थाना बल्देव और मनोज (32) पुत्र विजय सिंह निवासी गोवर्धन चौराहा, मथुरा के रूप में हुई है।

एसएन में तीमारदारों से मारपीट, मोबाइल तोड़े

खून जांच के 265 रुपये मांगने पर सवाल किया तो भड़का स्टाफ, पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी

एसएन मेंरविवार रात खून जांच कराने पहुंचे तीमारदारों और सर्जरी विभाग की लैब के स्टाफ में विवाद हो गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में रविवार रात खून की जांच कराने पहुंचे तीमारदारों और सर्जरी विभाग की लैब के स्टाफ के बीच विवाद हो गया। तीमारदारों ने स्टाफ पर मारपीट करने और दो मोबाइल तोड़ने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जांच के लिए 265 रुपये शुल्क मांगा गया था। इस पर उन्होंने पूछा कि जांच निशुल्क नहीं होती है क्या? आरोप है कि इस सवाल पर स्टाफ ने अभद्रता की। तीमारदारों ने मोबाइल से वीडियो और फोटो बनाए तो कर्मचारी भड़क गए। आरोप है कि बाहर आकर मोबाइल छीनकर तोड़ दिए और अन्य कर्मचारियों को बुलाकर दोनों तीमारदारों के साथ मारपीट की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की और सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले। कॉलेज प्रशासन ने भी जांच कराने की बात कही है। पथवारी निवासी सुधांशु कठेरिया ने बताया कि उनके फूफा वीरेंद्र सिंह (47) शिकोहाबाद में रहते हैं। रेल हादसे में उनके दोनों पैर कट गए थे। इसके बाद बीते गुरुवार को उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज की नई सर्जरी बिल्डिंग में भर्ती कराया गया था। रविवार रात डॉक्टर ने खून की जांच कराने के लिए कहा। इस पर वह अपने फुफेरे भाई अंकित कठेरिया के साथ खून का नमूना लेकर दूसरी मंजिल पर स्थित लैब पहुंचे।



तीमारदार का आरोप- वीडियो बनाने पर मोबाइल छीनकर तोड़े

आरोप है कि इसके बाद कर्मचारियों को बुलाकर सुधांशु और उनके फुफेरे भाई अंकित के साथ मारपीट की गई। उन्होंने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। घटनास्थल के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई।



सुधांशु कठेरिया के मुताबिक, लैब में स्टाफ आशुतोष ने जांच के लिए 265 रुपये मांगे। इस पर उन्होंने पूछा कि जांच के लिए पैसे लगते हैं या यह निशुल्क नहीं होती है। आरोप है कि इस पर स्टाफ ने कहा कि जांच करानी है तो कराओ, नहीं तो यहां से जाओ। इसके बाद उन्होंने शुल्क का भुगतान कर दिया। सुधांशु का कहना है कि उन्होंने अपने मोबाइल से वीडियो बनाई और फोटो खींच लीं। इससे स्टाफ भड़क गया और बाहर आकर उनका मोबाइल छीनकर तोड़ दिया।

प्राचार्य बोले- प्रमुख अधीक्षक से कराई जा रही जांच

एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि तीमारदार और लैब स्टाफ के बीच मारपीट की जानकारी मिली है। प्रमुख अधीक्षक को भेजकर मामले की जांच कराई जा रही है। वहीं, डीसीपी सिटी रविंद्र कुमार ने कहा कि शिकायत के आधार पर जांच कराई जाएगी। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

मणिपुर में चौबीस घंटे ...

स्थानीय लोगों ने मई 2023 से राज्य में जारी हिंसा के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह आवास पर मौजूद थे या नहीं, यह तुरंत पता नहीं चल सका। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस के कई गोले छोड़े। इसके बाद शवों को जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (JNIMS) ले जाया गया। मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने राज मेडिसिटी अस्पताल पहुंचकर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने उनके उपचार की स्थिति का जायजा लिया, लेकिन अस्पताल दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत करने से परहेज किया। कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजाम ने भी राज मेडिसिटी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

मॉडल श्रद्धा दुबे के ...

9 अक्टूबर को करोड़पति कारोबारी शिवा शर्मा की हजरतगंज स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर मौत हो गई थी। तभी से श्रद्धा फरार है। दावा है कि वह लखनऊ से सीतापुर होते हुए बहराइच के रास्ते नेपाल पहुंच गई थी। श्रद्धा ने लखनऊ कोर्ट में सरेंडर के लिए अर्जी भी दाखिल की है। उसके कथित सफेदपोश और नौकरशाह मददगारों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पूर्व IPS अमिताभ ठाकुर ने शिवा हत्याकांड मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मामले से जुड़ी आरोपी श्रद्धा दुबे के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से कथित संपर्कों और विवेचना में संभावित हस्तक्षेप की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। कहा है कि श्रद्धा को संरक्षण दिया जा रहा है। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि श्रद्धा दुबे के मीडिया साक्षात्कारों, उनके कथित रूप से फरार होने तथा विवेचना से जुड़े घटनाक्रमों के संबंध में अब तक सामने आए प्रश्नों का निष्पक्ष परीक्षण आवश्यक है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कहीं किसी व्यक्ति द्वारा अनुचित प्रभाव का इस्तेमाल अथवा विवेचना में हस्तक्षेप तो नहीं किया गया। डीसीपी सेंट्रल अर्पित विजयवर्गीय ने बताया- कैफे मलिक शिवा शर्मा हत्याकांड में की जांच चल रही है। मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे की गिरफ्तारी के लिए 10 टीमें लगाई गई हैं।

आशुतोष-सौरव ...

रत्ना सिंह ने सवाल उठाया कि इस मैसेज का दोनों नेताओं की जमानत से क्या संबंध है। उन्होंने कहा कि CJP ने मैसेज भेजने वाले की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। पुलिस ने इन आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया है। CJP का आरोप है कि दोनों नेताओं के जमानतदारों के दस्तावेजों की जांच में देरी की गई। पार्टी के मुताबिक, चार जमानतदारों को साफ वजह बताए बिना खारिज कर दिया गया। जमानत के लिए बैंक की मुहर वाली फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद को दोबारा मंजूरी के लिए पेश करने पर भी पार्टी ने सवाल उठाए। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि दोनों नेताओं को जेल में रखने के लिए जमानत की प्रक्रिया में देरी की जा रही है। पार्टी ने कहा कि वह दोनों की रिहाई के लिए आगे भी कानूनी लड़ाई लड़ेगी। AISA अध्यक्ष नेहा बोरा ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने दिल्ली पुलिस के उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें शांति बनाए रखने के लिए स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (SEM) के सामने बॉन्ड भरने को कहा गया है। बोरा हाल ही में SIR के खिलाफ प्रदर्शनों में शामिल रहीं हैं। बोरा हाईकोर्ट में तत्काल सुनवाई की मांग कर सकती हैं। हालांकि, दशहरा अवकाश के कारण इस सप्ताह हाईकोर्ट बंद है। कॉकरोच जनता पार्टी SIR के विरोध और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है। पार्टी ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। उस दिन सुबह CJP फाउंडर अभिजीत दीपके, सौरव व आशुतोष को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही पुलिस ने हिरासत में लिया था। तीनों को 11 अक्टूबर को दिल्ली कैंट की विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया था। इसके बाद उन्हें 50-50 हजार रुपए के जमानती मुचलके पर रिहा कर दिया गया। जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटाने के एक दिन बाद आशुतोष और सौरव वहां तिरंगा लेकर पहुंचे थे।

अहमदाबाद सीरियल...

हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (IM) से जुड़े लोगों की सजा को सही ठहराया था। इसके साथ ही कोर्ट ने सरकार को 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपए और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा राशि का भुगतान 30 मार्च 2027 तक कर दिया जाए। धमाकों के बाद पुलिस ने अहमदाबाद की सभी ब्लास्ट साइट्स और सूरत में मिले बमों के मामलों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कीं। बाद में करीब 35 मामलों को मिलाकर एक बड़ा केस बनाया गया। सभी मामलों को एक साथ जोड़ने के बाद 2009 में इस केस का ट्रायल शुरू हुआ। जांच और अदालत की सुनवाई 12 साल तक चली।

नाबालिग रेप विक्टिम ...

इस मामले में गर्भावस्था 31 सप्ताह की होने के कारण चिकित्सा संबंधी पहलू भी महत्वपूर्ण हैं। अदालत ने गर्भसमापन की अनुमति देते हुए संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अस्पताल और राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश दिए हैं। गर्भावस्था समाप्त करने से संबंधित कानून में सामान्य परिस्थितियों में 20 सप्ताह तक गर्भसमापन की अनुमति का प्रावधान है। कुछ निर्धारित परिस्थितियों में, जिनमें दुष्कर्म पीड़िताओं के मामले भी शामिल हो सकते हैं, यह सीमा 24 सप्ताह तक है। इससे आगे के मामलों में कानूनी और चिकित्सकीय परिस्थितियों के आधार पर अदालत की अनुमति महत्वपूर्ण हो सकती है। इस मामले में गर्भावस्था 31 सप्ताह की होने के कारण हाईकोर्ट के आदेश और चिकित्सकीय निगरानी की विशेष अहमियत है। गर्भावस्था के 31वें सप्ताह तक भ्रूण का काफी विकास हो चुका होता है। इस समय जन्म लेने वाले शिशु के जीवित रहने की संभावना हो सकती है, लेकिन उसे सांस लेने, शरीर का तापमान बनाए रखने और अन्य जरूरी कार्यों के लिए विशेष चिकित्सकीय सहायता की जरूरत पड़ सकती है। कई मामलों में ऐसे शिशुओं को नवजात गहन चिकित्सा इकाई यानी एनआईसीयू में रखा जाता है। हालांकि, गर्भसमापन के दौरान बच्चा जीवित पैदा होगा या नहीं, इसकी पहले से निश्चित भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। यह स्थिति गर्भावस्था, चिकित्सा प्रक्रिया और अन्य चिकित्सकीय परिस्थितियों पर निर्भर करती है।

भारत न बांग्लादेश...

उन्होंने X पर लिखा था कि भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं। भारत के लोकतांत्रिक संविधान के तहत उन्हें जो करना चाहिए, वही करें। बस इतना ही। मैं किसी भी तरह से इन संस्थाओं को चुनौती नहीं दे रहा हूं। मैं उनके काम करने के तरीके और उनके आचरण पर सवाल उठा रहा हूं। और ईमानदारी से कहूं तो भारत में हम सभी को इस पर चिंता करनी चाहिए।" नेहा बोरा ने बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट (SSF) को उनके छठे सेंट्रल कॉन्फ्रेंस के लिए बधाई देते हुए एक वीडियो मैसेज भेजा था। इसमें उन्होंने कहा कि भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरित है। SSF बांग्लादेश के छात्र आंदोलन और तख्तापलट के घटनाक्रमों में सक्रिय था। आपको हमारा लाल सलाम। आज भारत में जो जेन-जी आंदोलन हो रहा है, वह सबसे पहले बांग्लादेश में शुरू हुआ। आपने हमें रास्ता दिखाया, इसके लिए हम आपके शुक्रगुजार हैं। हम जानते हैं कि बांग्लादेश में शुरू हुआ आंदोलन लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों के लिए था।

मोना अग्रवाल पहले और अवनी लेखरा दूसरे नंबर पर रहीं, मोना को 9 महीने की उम्र में हुआ पोलियो

पैरा एशियन गेम्स- भारत को एक ही इवेंट में गोल्ड-सिल्वर



खेल

नई दिल्ली, एजेंसी

शूटर मोना अग्रवाल और अवनी लेखरा ने पैरा एशियन गेम्स में भारत को पहले दिन सोमवार को 2 पदक दिलाए। मोना ने गोल्ड और अवनी ने सिल्वर जीता।

ये दोनों मेडल R2 विमेंस 10 मीटर राइफल शूटिंग की SH1 कैटेगरी में आए। इसमें कमर से नीचे की दिव्यांगता वाले शूटर हिस्सा लेते हैं। जापान के नागोया में चल रहे गेम्स में मोना ने 250.0 अंक और अवनी ने 249.6 अंक हासिल किए।



कोरिया की युनरी ली ने 227.9 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। मोना अग्रवाल राजस्थान की पैरा-शूटिंग खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 8 नवंबर 1987 को हुआ था। नौ महीने की उम्र में उन्हें पोलियो हुआ था और दोनों पैर प्रभावित हुए।

पैरा-शूटिंग शुरू करने से पहले मोना पैरा-एथलेटिक्स और पैरा-पावरलिफ्टिंग में हिस्सा लेती थीं। उन्होंने महिलाओं की सिटिंग वॉलीबॉल में भी अहम भूमिका निभाई।

राजस्थान महिला टीम की कप्तान भी रह चुकी हैं मोना

2019 में मोना ने राजस्थान की महिला टीम की कप्तानी की। टीम ने पहली नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। मोना ने दिसंबर 2021 में राइफल शूटिंग शुरू की। 2022 में उन्होंने नेशनल लेवल पर सिल्वर जीता। 2023 में मोना ने ओसिजेक, क्रोएशिया में वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड कप के मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। उसी साल चांगवोन के वर्ल्ड कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH1 कैटेगरी में गोल्ड जीता।

आखिरी शॉट तक चला गोल्ड मेडल मैच

जयपुर की दोनों निशानेबाजों के बीच मुकाबला 24 शॉट के फाइनल के आखिरी शॉट तक चला। निर्णायक शॉट से पहले मोना 0.1 अंक की बढ़त पर थीं। उस समय स्कोर 239.1 और 239.2 था। मोना ने आखिरी शॉट में 10.8 अंक हासिल किए। अवनी ने 10.5 अंक बनाए। अवनी के सिल्वर मेडल से भारत को 2028 लॉस एंजिल्स पैरालंपिक्स के लिए दूसरा कोटा स्थान मिला। मोना ने पिछले महीने साउथ कोरिया में वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट (WSPS) वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर जीतकर पहला कोटा दिलाया था। PMO ने दोनों शूटर्स को बधाई दी

साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने डेनमार्क ओपन जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ कोरिया की आन से-यौंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रविवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया।

डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-यंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिग्गज सुसी सुसांती (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने इसकी पुष्टि की। BWF के रिकॉर्ड 1989 से रखे जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं। BWF ने 24 साल की एन सी-यंग को 'ऑल टाइम ग्रेट' बताया।

जीत के बाद सी-यंग ने कहा, 'मैं बहुत इतिहास बनाना और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूं, लेकिन एक समय



यह 47वां खिताब, सबसे ज्यादा बैडमिंटन टाइटल जीतने वाली महिला खिलाड़ी

में एक मैच पर ध्यान देती हूं।' उन्होंने कहा, 'यही मेरी प्रेरणा है। दर्शक मेरे लिए आते हैं और मुझे खुशी है कि लोग मेरा हर मैच पसंद करते हैं।'

दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी अन लगातार 105 हफ्तों से शीर्ष रैंकिंग पर हैं। उन्होंने 2025 में एक सीजन में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे। इस साल भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी है। आन से-यौंग फाइनल में यामागुची के खिलाफ पहला गेम 21-23 से हार गई थीं।

बिना हाथ की तीरंदाज शीतल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बराबर किया

नई दिल्ली, एजेंसी

पैरा एशियन गेम्स में 704 अंक लिए, भारतीय महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में नंबर-1

बिना हाथ की तीरंदाज शीतल देवी ने नागोया में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में सोमवार को वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकि तुर्की की ओज्नुर गिर्डी के नाम था।

19 साल की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में 720 में से 704 अंक हासिल किए। शीतल ने 72 तीरों में 57 बार परफेक्ट 10 लगाए। इनमें 32 शॉट लक्ष्य के सबसे अंदरूनी स्कोरिंग जोन में लगे। पेरिस पैरालिंपिक की कांस्य पदक विजेता शीतल ने पायल के साथ भारत को महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर पहुंचाया। भारत ने 1,379 अंक के साथ चीन को पीछे छोड़ा।

जम्मू-कश्मीर की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में लगभग हर शॉट पर सटीक निशाना लगाया। उनके 32 शॉट लक्ष्य के



सबसे अंदरूनी हिस्से में लगे, जिन्हें X कहा जाता है।

शीतल ने पिछला एशियन रिकॉर्ड छह अंकों से बेहतर किया। यह रिकॉर्ड 698 अंक का था। 704 अंक के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया। मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन शीटल ने अपना एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड भी बेहतर किया। उन्होंने 2023 में हांगझोउ में 680 अंक बनाए थे।

एशियन गेम्स में डेब्यू कर रहीं पायल ने भी महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 675 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया।

ओडिशा की चारों अंगों से दिव्यांग पायल इस साल अप्रैल में चर्चा में आई थीं। उन्होंने बैंकॉक में वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज में गोल्ड जीता था।

उस मुकाबले में पायल ने शीतल को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब दोनों के प्रदर्शन ने भारत की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में पदक की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। शीतल और पायल के कुल 1,379 अंकों से भारत महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहा।

टेस्ट को प्राथमिकता देने की सलाह दी, न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा

बुमराह वर्ल्डकप तक तीनों फॉर्मेट न खेलें : रवि शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बुमराह के ज्यादा इस्तेमाल से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जसप्रीत बुमराह को अगले साल के अंत में होने वाले ODI वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट नहीं खेलना चाहिए। शास्त्री ने रविवार देर रात स्टार स्पोर्ट्स में कहा कि बुमराह टेस्ट क्रिकेट खेलें। वनडे और T20 में उन्हें कभी-कभार ही उतारा जाए, ताकि वह चोट से बच सकें।

बुमराह न्यूजीलैंड दौरे से कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वे कीवियों के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के लिहाज से अहम है।



मुझे नहीं लगता कि उसे ODI वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट खेलने चाहिए। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए और वनडे-टी20 में कभी-कभार उतरना चाहिए। उसे पूरी सीरीज या हर मैच नहीं खेलना चाहिए। मैं उसे टेस्ट मैचों के लिए बचाकर रखना चाहूंगा। यह बहुत जरूरी है। वह भारतीय टीम का अहम सदस्य है। इसके बाद बाकी फॉर्मेट में उसका इस्तेमाल सीमित तौर पर होना



न्यूजीलैंड दौरे पर गिल की कप्तानी की परीक्षा

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर सबसे ज्यादा ध्यान है। ऐसे में विदेशी दौरे पर टीम की कप्तानी को लेकर भी चर्चा हो रही है। शुभमन गिल ने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ सीरीज में अपनी कप्तानी साबित की थी। यह विदेशी कप्तान के तौर पर उनका पहला दौरा था। गिल ने उस सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे।

चाहिए। यह एक कड़ी परीक्षा है। न्यूजीलैंड की घरेलू परिस्थितियों में उसे हराना आसान नहीं है। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया को उस पर बढ़त हासिल रही है।' उन्होंने आगे कहा, "विदेशी दौरे पर एक युवा कप्तान के लिए यह अच्छा चैलेंज होगा।" टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में गिल सिर्फ डॉन ब्रैडमैन से पीछे हैं। ब्रैडमैन ने एक सीरीज में 810 रन बनाए थे। इसके बाद गिल ने अपने दूसरे विदेशी दौरे में श्रीलंका के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीती।

भुवनेश्वर कुमार के चयन को शास्त्री ने सही बताया

पिछले 24 महीनों में भुवनेश्वर कुमार ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके बाद भारतीय टीम में उनका चयन स्वाभाविक था। शास्त्री ने इसे 'नो-ब्रेनर' बताया।

उन्होंने कहा, 'अनुभव का कोई विकल्प नहीं है। इसे बाजार से खरीदा या बेचा नहीं जा सकता। IPL में उन्होंने जिस तरह का फॉर्म दिखाया, उसके आधार पर वह न्यूजीलैंड की परिस्थितियों के लिए आदर्श होंगे।'

मनोरंजन

कोटा से पकड़ाए, एक बिहार, 2 हरियाणा के, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने दिया कॉन्ट्रैक्ट

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के आरोपी नेपाल भागने वाले थे

एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, 'पुणे जयपुर एक्सप्रेस के जनरल कोच से भागे थे। सुबह 10.30 बजे कोटा पहुंचे थे। वहीं से हिरासत में लिया गया।'

मुंबई। मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में राजस्थान पुलिस ने सोमवार सुबह 10:30 बजे 3 आरोपियों को कोटा से पकड़ लिया।

सभी आरोपी पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जाना चाहते थे। इसके बाद इनका प्लान बस से दिल्ली के रास्ते नेपाल भागना था, लेकिन पुलिस ने उन्हें कोटा रेलवे स्टेशन पर ही पकड़ लिया।

एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, 'मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने महज 15 मिनट में ट्रेन की तलाशी लेकर तीनों को पकड़ लिया।'

पुलिस के मुताबिक, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने कॉन्ट्रैक्ट दिया था। 3 संदिग्धों में से 2 हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। टाइगर को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है। फायरिंग में उनके ड्राइवर को भी चोट लगी।

एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, वारदात के बाद ये तुरंत रवाना हो गए थे। इनका प्लान था कि ट्रेन से पहले जयपुर पहुंचें, फिर बस से दिल्ली जाकर वहां से नेपाल निकल जाएं।



टाइगर श्रॉफ पर हमले के 3 आरोपी राजस्थान के कोटा से पकड़ाए हैं।

आरोपी के पिता बोले- बेटा वेल्डिंग का काम सीखने घर से गया था

गिरफ्तार रेहान के पिता रिशुद्दीन बोले- वह कई साल पहले वेल्डिंग का काम सीखने की बात कहकर घर से गया था। पत्नी के साथ विवाद चल रहा है। इसी कारण वह 10 साल से अलग रह रही है। रेहान उसी के साथ रहता है।

CPI(M) नेता वृंदा करात ने कहा, स्देश की आर्थिक राजधानी में इस तरह की घटना, दिनदहाड़े गोलीबारी, होना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। इससे पता चलता है कि हमारी खुफिया एजेंसियों को अंडरवर्ल्ड की गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं है। राजस्थान की कोटा पुलिस आज दोपहर 1:00 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। इसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच तीनों आरोपियों को अपनी कस्टडी में लेकर मुंबई रवाना होगी।

एसपी कोटा ने बताया- मुंबई पुलिस की सूचना पर पकड़ा

एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, 'कल टाइगर पर हमला हुआ था। हमें इसके बारे में आज मुंबई पुलिस से जानकारी मिली। उन्होंने कहा था तीनों ट्रेन से कोटा पहुंचने वाले हैं। जैसे ही हमें पता चला हमने सिर्फ 15 मिनट में पूरी ट्रेन की जांच की और इस दौरान हमने तीनों को पकड़ लिया।'

टीवी पर 'अप्सरा' बनकर कमबैक कर रहीं अविका गौर

एक्ट्रेस ने शेयर किया अपना एक्सपीरियंस

नई दिल्ली, एजेंसी

अविका गोर, स्टार प्लस के आने वाले सुपरनैचुरल शो 'अप्सरा' में 'अप्सराओं की रानी' के रूप में टेलीविजन पर वापसी कर रही हैं। शो के शानदार प्रीमियर एपिसोड में वह अपनी दमदार मौजूदगी, ग्रेस और गहरी भावनाओं के साथ नजर आएंगी।

समुद्र मंथन से प्रेरित, मुक्ता ढोंड के इस प्रोडक्शन में समीक्षा जायसवाल 'सुनहरी' का किरदार निभा रही हैं। कहानी में सुनहरी बुरी ताकतों से लड़कर अमृत की रक्षा करती है और साथ ही अपने लोगों को भी सुरक्षित रखती है। इस शो में पारस कलनावत, अनुष्का मर्चंडे और अदा खान भी अहम भूमिकाओं में हैं। शो से जुड़ने के बारे में बात



करते हुए, अविका कहती हैं, 'मेरे लिए किरदार और कहानी मायने रखती है, मीडियम कोई भी हो। जब मुझे यह किरदार मिला, तो इसमें मौजूद कई लेयर्स देखकर मैं प्रभावित हो गई। यह पावरफुल और प्रभावशाली है लेकिन साथ ही उसमें कुछ कमजोरियां भी हैं। इस किरदार को निभाने से मुझे रोमांस और एक्शन से लेकर भावनात्मक पलों और डांस तक, सब कुछ एक्सप्लोर करने का मौका मिला।



80 साल की अरुणा ईरानी का छलका दर्द काम पर लौटीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री अरुणा ईरानी (Aruna Irani) के पति और फिल्म निर्माता कुकू कोहली (Kuku Kohli) का 25 अगस्त 2026 को निधन हो गया था। वह 77 साल के थे। उनके निधन दिल का दौरा पड़ने की वजह से हुआ।



इस बीच अरुणा ईरानी काफी परेशान दिखाई दीं। अंतिम संस्कार के समय भी कई लोग उन्हें ढांढस बंधाते नजर आए। फिलहार एक्ट्रेस ठीक हैं और निधन के करीब दो महीने बाद काम पर लौट आई हैं। 80 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने जिस तरह से काम के प्रति समर्पण दिखाया है वो वाकई काबिल-ए-तारीफ है।

इसी के साथ ही उन्होंने इस मुश्किल समय में उनका साथ देने के लिए अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया है। एक्ट्रेस ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैंस को धन्यवाद दिया। भावुक होते हुए उन्होंने कहा, 'कुक्कू जी के निधन के बाद आप सभी ने मुझे जो प्यार और स्नेह दिया है, उसके लिए मैं आपकी बहुत आभारी हूं। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि इतने मुश्किल समय में आप सभी मेरे साथ खड़े रहे।'

अनिल कपूर का गला दबाया, गुस्से में फाड़ी जींस, लड़ाई में पैर में घुसी रॉड

69 साल के हुए सनी

नई दिल्ली। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी कल्ट फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर अनुराग कश्यप अपने करियर की शुरुआत में स्ट्रगल कर रहे थे। इसी दौर में उन्हें एक फिल्म डायरेक्ट करने का मौका मिला। अनुराग इस कहानी को लेकर हिंदी सिनेमा के एक दिग्गज एक्टर के पास पहुंच गए। कहानी सुनते ही एक्टर की आंखों में काम करने की चमक लौट आई। उन्होंने कहा, "बेटा, बहुत समय हो गया है मेरे मुंह पर मेकअप नहीं लगा। बहुत अच्छी कहानी है तुम्हारी, करते हैं।"

दिग्गज एक्टर के साथ काम करना अनुराग के लिए किसी सपने के सच होने जैसा था, लेकिन तभी कहानी में एक ट्विस्ट आया। एक्टर के बेटे को पता चला कि फिल्म के आखिर में उसके पिता के किरदार की मौत हो जाती है। उसने तुरंत



सनी ने 'आप की अदालत' जैसे कई इंटरव्यू में यह बताया कि जब घर के सभी लोग सो जाते थे, तो वे चुपके से गाड़ी की चाबी उठाते और गाड़ी लेकर निकल जाते थे। इस दौरान उन्होंने कई बार गाड़ियों को टक्कर भी मार दी थी।

अपने पिता को फिल्म करने से मना कर दिया। सनी देओल बचपन से ही काफी शरारती थे। उन्हें गाड़ियां चलाने का इतना शौक था कि महज 12-13 साल की उम्र में ही उन्होंने चोरी-छिपे कार चलानी शुरू कर दी थी। शुरुआत में वे ड्राइवर की गोदी में बैठकर भी कार चलाते थे। मैशेबल इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में सनी ने बताया था कि वह अपनी कार में तलवारें, धातु की छड़ें और हॉकी स्टिक रखते थे।दमदार डायलॉग और एक्शन के लिए मशहूर सनी की असल जिंदगी में भी कई बार लड़ाइयां हुईं। सनी की एक लड़ाई इतनी खतरनाक थी कि वह अकेले कई लोगों से भिड़ गए थे और उन पर रॉड से हमला हुआ था।

बचपन में धर्मेंद्र के को-एक्टर को गोली मारने निकले

साल था 1961 और सनी देओल महज 4 साल के थे। एक दिन उनके घर पर ऐसा शख्स पहुंचा, जिसे देखकर नन्हे सनी को गुस्सा आ गया। उन्होंने एयर गन उठाई और पूरे घर में घूमने लगे। जब मां प्रकाश कौर ने पूछा कि आखिर वह कर क्या रहे हैं, तो सनी गुस्से में बोले, "मैं इसे गोली मारूंगा। इसने मेरे पापा को मारा था।" दरअसल, सनी ने अपने पिता धर्मेंद्र की 1961 में आई फिल्म 'शोला और शबनम' देखी थी। फिल्म में अभिनेता एम. राजन ने धर्मेंद्र के किरदार के साथ मारपीट की थी। नन्हे सनी के मन में यह बात बैठ गई कि इस शख्स ने उनके पापा को मारा है। उन्हें यह समझ नहीं आया कि पर्दे पर दिखने वाली लड़ाई सिर्फ एक्टिंग थी। संयोग से कुछ समय बाद एम. राजन असल जिंदगी में धर्मेंद्र से मिलने मुंबई के खार स्थित उनके घर पहुंचे। उन्हें देखते ही सनी को फिल्म वाला वही सीन याद आ गया।

रस्सी के सहारे उतर रहा था, स्टेडियम में 23 हजार लोग मौजूद थे

अमेरिका में 170 फीट ऊंचाई से गिरकर सैनिक की मौत

हादसा

सैन एंटोनियो, एजेंसी

अमेरिका के सैन एंटोनियो में एक सैनिक की 170 फीट की ऊंचाई से गिरने की वजह से मौत हो गई। सैनिक शनिवार को अलामडोम स्टेडियम में एक फुटबॉल मैच से पहले रस्सी से उतरने का लाइव डेमो दे रहा था।

इसी दौरान उसका बैलेंस बिगड़ गया और वह तेजी से जमीन पर गिर गया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद भी फुटबॉल मैच रद्द नहीं किया गया। AP के मुताबिक, करीब 10 मिनट की देरी के बाद मैच शुरू हो गया। यह मैच सेना में काम कर चुके और काम कर रहे सैनिकों के सम्मान में रखा गया था। यह यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट सैन एंटोनियो (UTSA) और नेवी के बीच हुआ।

UTSA ने घटना पर दुख जताते हुए कहा, ₹हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित सैनिक, उसके परिवार और सेना में उसके साथियों के साथ हैं।

इस कार्यक्रम में उस सैनिक के अलावा तीन अन्य सैन्यकर्मियों को भी रस्सी के सहारे नीचे उतरने के प्रदर्शन में हिस्सा लेना था।

सैन्य प्रदर्शन में शामिल जवानों को कॉम्बैट कंट्रोलर बनने की ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें हेलिकॉप्टर से 100 फीट से अधिक ऊंचाई पर रस्सी के सहारे तेजी से उतरना होता है। इसका मकसद सैनिकों को ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार करना है, जहां उन्हें कम समय में किसी ऊंची जगह से जमीन पर उतरना पड़े।

इस ट्रेनिंग में उड़ते हुए हेलिकॉप्टर से नीचे उतरने का अभ्यास भी शामिल है। इस दौरान उन्हें रस्सी पकड़ने, शरीर का संतुलन बनाए रखने और तेजी से नीचे पहुंचने का अभ्यास कराया जाता है।



हादसे के दौरान स्टेडियम में 23 हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। सैनिक की पहचान उजागर नहीं हुई है।

अमेरिकी वायुसेना की ट्रेनिंग यूनिट में तैनात था सैनिक

हादसे के समय दर्शक स्टैंड में बैठे थे और मैदान के पास एक बैंड भी मौजूद था। हादसे के बाद मैदान पर करीब 10 मिनट तक जवान का इलाज किया गया। इसके बाद उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रदर्शन के दौरान आखिर क्या हुआ था।



अलामोडोम स्टेडियम में पहले हुए एक प्रदर्शन के दौरान वायुसेना का एक जवान रस्सी के सहारे छत से नीचे उतरता हुआ।

नेतन्याहू को सता रहा अमेरिका से रिश्ते बिगड़ने का डर

बोले- भारत के साथ संबंध मजबूत करना जरूरी

तेल अवीव, एजेंसी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आशंका जताई है कि भविष्य में इजरायल को अमेरिका में विरोधी प्रशासन का सामना करना पड़ सकता है, जिससे दोनों देशों के सैन्य सहयोग और रणनीतिक साझेदारी पर असर पड़ सकता है।

27 अक्टूबर को होने वाले आम चुनावों से ठीक पहले एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भारत और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ नए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने होंगे।

नेतन्याहू ने कहा कि अगले दो वर्षों में अमेरिका में सत्ता परिवर्तन हो सकता है और कोई ऐसा राष्ट्रपति सत्ता में आ सकता है जो इजरायल के प्रति सख्त या विरोधी रुख रखता हो। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में इजरायल अमेरिका से कैसे निपटेगा और क्या



कदम उठाएगा, इसके लिए अभी से तैयारी करनी होगी। उनका यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा उनके चुनाव प्रचार को दिए गए मजबूत समर्थन के कुछ ही घंटों बाद सामने आया।

इजरायली प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि देश को ट्रंप के मौजूदा कार्यकाल का पूरा इस्तेमाल करते हुए अपनी स्थिति मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायल को अमेरिका के साथ संबंधों को संभालने के साथ-साथ दुनिया के अन्य हिस्सों में नए विकल्प तलाशने होंगे, ताकि किसी भी संभावित अमेरिकी नीति परिवर्तन का असर देश पर न पड़े।

फास्ट न्यूज

मंगल के चंद्रमा 'फोबोस' से मिट्टी का सैंपल लाएगा जापान का स्पेसक्राफ्ट

जापानी अंतरिक्ष एजेंसी मंगल ग्रह के दो चंद्रमाओं में से एक 'फोबोस' से मिट्टी के नमूने लाने के दुनिया के पहले ऐतिहासिक मिशन 'माईशियन मून्स एक्सप्लोरेशन' को लॉन्च करने जा रही है। जापानी नेतृत्व वाले इस मिशन का उद्देश्य यह समझना है कि मंगल के चंद्रमा फोबोस और डीमोस का निर्माण कैसे हुआ, सौर मंडल की उत्पत्ति कैसे हुई और क्या कभी मंगल पर सूक्ष्मजीव जीवन मौजूद था।

इजरायल से ऑस्ट्रिया जा रही फ्लाइट को मिली बम की धमकी

तेल अवीव। इजरायल के तेल अवीव से ऑस्ट्रिया के वियना जा रही ऑस्ट्रियन एयरलाइंस की फ्लाइट (OS82) में बम की धमकी मिली है, जिसके बाद बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

बम की धमकी की सूचना मिलने के बाद विमान को बुल्गारियाई वायुसेना के मिग-29 लड़ाकू विमान के संरक्षण में सोफिया हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतारा गया। विमान में सवार सभी 51 यात्रियों और चालक दल के 6 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है ।

रिहायशी इमारत और मेट्रो स्टेशन पर रूस ने की एयरस्ट्राइक

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव में रूस ने देर रात एयर-स्ट्राइक की। इस हमले में शहर के एक मेट्रो स्टेशन, एक 25 मंजिला आवासीय इमारत और एक चिकित्सा केंद्र को भारी नुकसान पहुंचा है। रॉयटर्स के अनुसार, रूसी हमलों से राजधानी में नागरिक बुनियादी ढांचे को खतरा जारी रहने के बीच, क्लिट्स्को ने टेलीग्राम पर एक बयान में हताहतों और नुकसान की पुष्टि की।

यूरोप के 6 देशों में शिक्षा महंगाई पर प्रदर्शन

फ्रांस में आगजनी-लूटपाट, इटली में स्कूलों पर कब्जा किया

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोप के 6 देशों में पढ़ाई का बढ़ता खर्च, बेरोजगारी और महंगे घरों के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। फ्रांस में प्रदर्शनकारियों ने दुकानों में लूटपाट की और कई सरकारी इमारतों में आग लगा दी।

इटली में छात्रों ने कई स्कूलों पर कब्जा कर लिया। ग्रीस में छात्र हॉस्टल की कमी और बढ़ते किराए के विरोध में संसद के सामने टेंट लगाकर बैठे हैं। बेल्जियम और अल्बानिया में भी प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई और गिरफ्तारियां की गईं।

17 अक्टूबर को 140 शहरों में प्रदर्शन हुए। करीब 8 लाख लोग सड़कों पर उतरे। इसमें छात्र संगठनों के साथ ट्रेड यूनियन और कर्मचारी भी शामिल थे।

पेरिस, मार्सेई और बोर्डो समेत कई शहरों में तोड़फोड़ और



लूटपाट हुई। लीमोज में 143 साल पुराने ऐतिहासिक सिटी हॉल में आग लगा दी गई और कई गाड़ियों को जला दिया गया।

18 अक्टूबर तक करीब 1800 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, 500 से ज्यादा पुलिसकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों और दमकलकर्मियों के घायल होने की खबर है। प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हिंसा की निंदा की है। सरकार का कहना है कि कुछ हिंसक समूहों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का फायदा उठाया।

70% लोग साथ रहने के पक्ष में, तेल की कमाई को लेकर 50 साल पुराना झगड़ा

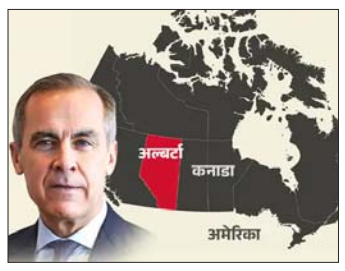
कनाडा से अलग होने पर आज अल्बर्टा में वोटिंग

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में 19 अक्टूबर को जनमत संग्रह हो रहा है। इसमें लोग तय करेंगे कि प्रांत को कनाडा का हिस्सा बने रहना चाहिए या नहीं।

इप्सोस-ग्लोबल न्यूज के सर्वे में अल्बर्टा के करीब 70% लोग कनाडा के साथ बने रहने के पक्ष में हैं। इसके बावजूद अलग देश बनाने की मांग करने वाले लोग पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

अल्बर्टा में अलग देश बनाने की मांग कोई नई बात नहीं है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह तेल से होने वाली कमाई और केंद्र सरकार के साथ पैसों के बंटवारे को लेकर नाराजगी है। कनाडा के प्रधानमंत्री



मार्क कार्नी खुद अल्बर्टा में पले-बढ़े हैं। वे भी मानते हैं कि प्रांत के लोगों में नाराजगी है। हालांकि, वे अल्बर्टा को कनाडा से अलग करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने लोगों को आगाह किया है कि वे अलग होने के पक्ष में वोट न करें। ऐसा फैसला देश में लंबे समय तक राजनीतिक खींचतान और अनिश्चितता पैदा कर सकता है। अल्बर्टा के मुख्यमंत्री डेनियल स्मिथ ने पिछले साल जनमत संग्रह कराने की प्रक्रिया आसान कर दी थी। इसके बाद आजादी का मुद्दा राज्य की राजनीति में और चर्चा में आ गया। हालांकि, स्मिथ खुद अल्बर्टा को कनाडा से अलग करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे अलग होने के खिलाफ वोट दे रही हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस जनमत संग्रह के पीछे स्मिथ की अपनी पार्टी की राजनीति भी है। उनकी पार्टी में कई लोग अल्बर्टा को अलग देश बनाने के पक्ष में हैं। स्मिथ जनमत संग्रह के जरिए अपनी ही पार्टी के नेताओं और समर्थकों के बीच चल रहे मतभेदों को सुलझाना चाहती हैं।

कार्नी ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण अल्बर्टा के कई लोगों को ऐसा लगता है, जैसे उनके अपने संसाधन भी उनके नहीं हैं। हालांकि सरकार अल्बर्टा के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही है।



अल्बर्टा में तेल का चौथा सबसे बड़ा भंडार

अल्बर्टा में दुनिया के प्रमाणित तेल भंडार के मामले में चौथा सबसे बड़ा भंडार है। यहां का तेल उद्योग, रोजगार और कमाई का बड़ा जरिया है।

अलग देश बनाने के समर्थकों का कहना है कि अल्बर्टा केंद्र सरकार को बहुत पैसा देता है, लेकिन उसे बदले में उतना फायदा नहीं मिलता। उनका आरोप है कि प्रांत की कमाई का इस्तेमाल कनाडा के दूसरे हिस्सों की मदद के लिए किया जाता है। वर्ष 2015 में जस्टिन ट्रूडो के प्रधानमंत्री बनने के बाद यह विवाद फिर बढ़ा। उनकी सरकार ने कार्बन टैक्स और प्रदूषण घटाने के लिए कई नियम लागू किए। अल्बर्टा के तेल उद्योग से जुड़े लोगों ने इनका विरोध किया। उनका मानना था कि इन नियमों से तेल का कारोबार प्रभावित होगा।

ऑनलाइन प्रसारण में रिकॉर्ड हुआ वीडियो, कुछ मिनट पहले कहा था- एक दिन हम सबको मरना है

चर्च में प्रेयर के दौरान पादरी पर क्रॉस गिरा, मौत

- कुछ मिनट पहले कहा था- एक दिन हम सबको मरना है
- हादसे की वजह साफ नहीं, फिटिंग लूज होने की आशंका

इक्वाडोर, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर में शनिवार की प्रेयर के दौरान पादरी के ऊपर लकड़ी से बना क्रॉस गिर गया। इससे पादरी के सिर पर चोट लगी और उनकी मौत हो गई। प्रेयर का ऑनलाइन प्रसारण किया जा रहा था। पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। फादर सांचेज ने उपदेश के दौरान स्पेनिश में कहा- 'टोडोस वैमोस ए मोरिर' (Todos vamos a morir); इन शब्दों का अर्थ है, 'एक दिन हम सबको मरना है।'



जानकारी के मुताबिक, घटना इक्वाडोर के तटीय बंदरगाह शहर ग्वायाकिल में 17 अक्टूबर को पेरपेतुओ सोकोरो चर्च में हुई। यहां आवर लेडी ऑफ परपेचुअल हेल्प चर्च में फादर पैट्रिसियो अल्फ्रेडो सांचेज मोलीनारी प्रवचन दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि कम महत्वपूर्ण चीजों पर बिताया गया समय ईश्वर और प्रियजनों के साथ बिताए गए समय जितना सार्थक नहीं हो सकता। फादर पैट्रिसियो के वीडियो का वह हिस्सा, जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन हम सबको मरना है। फादर पैट्रिसियो के वीडियो का वह हिस्सा, जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन हम सबको मरना है। चर्च की तरफ से कहा गया कि चर्च की दीवार से बड़ा क्रूस गिरने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन इसे दीवार पर अटैच करने वाले माउंटिंग फिक्स्चर में खराबी की आशंका है। फिलहाल स्थानीय प्रशासन जांच कर रहा है।



मास का ऑनलाइन प्रसारण हो रहा था, 27 मिनट बाद गिरा क्रूस

मास को सोशल मीडिया पर लाइव दिखाया जा रहा था। इसका वीडियो देखने पर पता चलता है कि करीब 27 मिनट बाद चर्च की दीवार पर लगा क्रॉस और ईसा मसीह की मूर्ति फादर पैट्रिसियो के ठीक उपर गिर जाती है। घटना के बाद चर्च में मौजूद लोग पादरी की मदद के लिए पहुंचे। चर्च ने बताया कि इमरजेंसी मेडिकल स्टाफ भी उन्हें बचा नहीं सका।

कनाडा में सैन्य अड्डे पर धमाका, 4 सैनिकों की मौत

रक्षा मंत्री बोले- ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा

अल्बर्टा, एजेंसी

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में सैन्य अड्डे पर शनिवार को जोरदार धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में 4 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों गंभीर रूप से घायल हैं। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार को इसकी पुष्टि की। रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने कहा, 'मैंने ऐसा दर्दनाक दृश्य पहले कभी नहीं देखा।' कार्नी के मुताबिक, मृत सैनिकों के परिवारों को सूचना दे दी गई है। उन्होंने कहा कि घटना की स्थिति अभी बदल रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि वरिष्ठ सैन्य और सरकारी अधिकारी रविवार को कनाडियन फोर्सेज बेस वेनराइट में हुए हादसे की विस्तृत जानकारी देंगे। इस सैन्य अड्डे पर 1,300 से ज्यादा सैनिक और कर्मचारी काम करते हैं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, विस्फोट के बाद तेज हवाओं के



कारण आग सैन्य अड्डे के आसपास तेजी से फैल गई। कई इलाकों से दमकलकर्मी आग बुझाने के लिए पहुंचे। रॉयल एलेक्जेंड्रा अस्पताल के इमरजेंसी डॉक्टर वॉरेन थिर्स्क ने इसे 15 से 25 साल में एक बार होने वाली बड़ी आपदा बताया। उन्होंने कहा कि मरीजों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि शहर के स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह भर गए। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि धमाका कैसे हुआ और आग लगने की वजह क्या थी। रक्षा मंत्री मैकगिन्टी ने कहा कि कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) घटना की जांच कर रही है।

संबोधन : गृहमंत्री का इस्तीफा मंजूर नहीं किया, पीएम लेकोर्नू ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई

तोड़फोड़ करने वालों को कीमत चुकानी होगी : फ्रांसीसी राष्ट्रपति

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में 17 अक्टूबर को हुई हिंसा और लूटपाट को लेकर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को सख्त कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने रविवार रात अपने संबोधन में कहा कि जिन लोगों ने तोड़फोड़ और लूटपाट की है, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।

मैक्रों ने गृहमंत्री लॉरेंट नुनेज का इस्तीफा भी नामंजूर कर दिया। मैक्रों ने नुनेज से कहा कि वे सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाएं।

इस बीच प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोमवार को सरकार की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। इसमें हिंसा की घटनाओं और उनसे



निपटने के तरीकों पर चर्चा होगी।

फ्रांस की संसद तीन बड़े राजनीतिक गुटों में बंटी हुई है। इनके बीच इतने मतभेद हैं कि संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है। ऐसे माहौल में सरकार के लिए कोई बड़ा फैसला लेना आसान नहीं है। राष्ट्रपति मैक्रों का कार्यकाल खत्म होने वाला है। अप्रैल 2027 में राष्ट्रपति चुनाव होना है।

मैक्रों को देश का सबसे कमजोर राष्ट्रपति माना जा रहा

हिंसा के बाद खबरें सामने आई कि मैक्रों कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगा सकते हैं या आपातकाल घोषित कर सकते हैं। लेकिन उन्होंने रविवार को टीवी पर देश को संबोधित किया।

उन्होंने हिंसा के लिए कट्टर वामपंथी समूहों और उपद्रवियों को जिम्मेदार ठहराया। मैक्रों ने लोगों से एकजुट रहने की अपील की और भरोसा दिलाया कि हिंसा करने वालों को सजा मिलेगी। हालांकि, फ्रांस के मीडिया ने उनके भाषण की आलोचना की।



पेरिस में प्रदर्शनकारियों ने 17 अक्टूबर को डंडों, ईंटों और पत्थरों से पुलिस की गाड़ियों पर हमला किया।

1500 दुकानों में लूटपाट, 1000 पुलिसकर्मी घायल

महंगाई और सरकारी सुविधाओं में कमी के खिलाफ शनिवार को 8 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। शुरुआत में हालात शांतिपूर्ण थे लेकिन बाद में काले कपड़े पहने और चेहरे ढके कुछ लोगों ने तोड़फोड़ और लूटपाट शुरू कर दी।

अनुमान है कि करीब 1,500 दुकानों और कारोबारों में लूटपाट की गई या उन्हें नुकसान पहुंचाया गया। हालात संभालने के लिए पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी और भीड़ पर पानी की बौछारें कीं। गृह मंत्रालय के मुताबिक, शनिवार को करीब 1000 पुलिसकर्मी घायल हुए। इनमें सात की हालत गंभीर थी। गृह मंत्री नुनेज पर आरोप लग रहे हैं कि वे पहले से तय प्रदर्शनों के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाए।

'12000 फीट की ऊंचाई पर खुला दरवाजा'

भारतीय एयर एम्बुलेंस की इमरजेंसी लैंडिंग

ढाका, एजेंसी

अगरतला से कोलकाता जा रही एक भारतीय एयर एम्बुलेंस में हवा में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद विमान को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

विमान में सवार 56 वर्षीय महिला मरीज को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। विमान में सवार अन्य सभी 6 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। यह घटना रविवार को बीचक्राफ्ट किंग एयर C90A विमान के साथ हुई। जब विमान 12000 फीट की ऊंचाई पर था, तभी तकनीकी खराबी के कारण उसका दरवाजा हवा में ही आंशिक रूप से खुल गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे



पर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी।

विमान में सवार थे कुल 7 लोग

विमान दोपहर करीब 1:40 बजे ढाका हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरा। इस एयर एम्बुलेंस में दो पायलट, एक डॉक्टर, एक पैरामेडिक, मरीज और उनके दो तीमारदार समेत कुल सात लोग सवार थे। लैंडिंग के तुरंत बाद गंभीर रूप से बीमार मरीज अंजना भौमिक को कुर्मितोला स्पेशलाइज्ड अस्पताल ले जाया गया, जहां शाम 4:40 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676